RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ● Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ● CCTV Controlled Environment ● Activity Based Learning ● Well Equipped Library ● GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 26 | अंक : 129 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 01 मई, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

दिल्ली-नोएडा के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

धमकी से पुलिस व अभिभावकों के उडे होश

धमकी भरे ई-मेल में मजहबी भाषा

नोएडा/दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और नोएडा के 50 से ज्यादा स्कूलों में आज सुबह हड़कंप मच गया। एक ईमेल के जरिए इन स्कूलों में बम रखे होने की धमकी दी गई। आनन-फानन में स्कूलों को खाली कराकर बच्चों को घर भेजा गया। दिल्ली और नोएडा पुलिस का कहना है कि स्थिति सामान्य है और अभिभावकों को घबराने की जरूरत नहीं है। इस मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को जांच में लगाया गया है। स्कूलों की तलाशी में कोई भी संदिग्ध बात नहीं मिली।

सूत्रों के मुताबिक फर्जी ई-मेल से धमकी दी गई है और धमकी भरे ई-मेल में मजहबी भाषा का इस्तेमाल किया गया है। पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर किस आईपी एड्रेस से मेल किया गया है।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों का कहना है कि धमकी भरे ईमेल को लेकर किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है। कई स्कूलों में बम की धमकी मिली है। सभी जगह दिल्ली पुलिस ने जांच की लेकिन कुछ संदिग्ध नहीं मिला। ईमेल भेजने वाले को पकड़ने के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। साथ ही एक्सपर्ट की मदद ली जा रही है।

दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा है कि कुछ स्कूलों को बुधवार सुबह बम की धमकी मिली। (शेष पृष्ठ-3 पर)

दोषियों को बक्शा नहीं जाएगा : एलजी

"दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने दिल्ली के स्कूलों को मिली धमकी के बाद स्कूलों का दौरा किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस बहुत जल्दी स्कूलों में पहुंच गई और पूरे इलाके को घेर लिया गया है और तलाशी अभियान चल रहा है। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक इकाइयां भी काम कर रही हैं।' दिल्ली के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि दिल्ली पुलिस पूरी तरह से तैयार है और हम किसी भी अप्रिय घटना को रोकने की कोशिश करेंगे। दिल्ली पुलिस ने पता लगा लिया है कि ये ईमेल कहां से आ रहे हैं, मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और कड़ी सजा दी जाएगी।

"मैं अभिभावकों और नागरिकों से अपील करती हूं कि वे घबराएं नहीं. पुलिस को अभी तक जांच में कुछ नहीं मिला है।"
आतिशी, शिक्षा मंत्री (दिल्ली)

नोएडा के डीपीएस स्कूल में बम की तलाश करती डॉग स्क्वॉड की टीम

स्कूलों की लिस्ट

- द्वारका का डीपीएस स्कूल
- रोहिणी का डीपीएस स्कूल
- वसंत कुंज का डीपीएस स्कूल
- नोएडा का डीपीएस स्कूल
- दक्षिण पश्चिम दिल्ली का डीएवी स्कूल
- पूर्वी दिल्ली का डीएवी स्कूल
- पीतमपुरा का डीएवी स्कूल
- नई दिल्ली का संस्कृति स्कूल
- मयूर विहार का मदर मैरी स्कूल
- पुष्प विहार का एमिटी स्कूल
- नजफगढ़ का ग्रीन वैली स्कूल

दिल्ली पुलिस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि बुधवार सुबह दिल्ली के कई स्कूलों को बम की धमकी भरे ईमेल किए गए। ईमेल के आईपी एड्रेस से लगता है कि ये ईमेल देश से बाहर से किया गया है। मामले में जांच जारी है।

सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में ऐसा लग रहा है कि कल से अब तक कई जगह ईमेल आए हैं। इस ईमेल में डेटलाइन नहीं है. एक ही ईमेल को कई जगह भेजा गया है। पुलिस ने स्कूलों की तलाशी पूरी कर ली है और कहीं से कुछ नहसं मिला।

रायबरेली से प्रियंका और अमेठी से राहुल लड़ सकते हैं चुनाव, वायरल हुई लिस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली और अमेठी में कांग्रेस के टिकट को लेकर सस्पेंस लगातार बना हुआ है। इस सीट पर चुनाव के लिए नामांकन भरने के लिए तीन दिन बचे हैं। इसके बावजूद अभी तक कांग्रेस ने इन दोनों सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर एक कांग्रेस की लिस्ट खूब वायरल हो रही है जिसमें रायबरेली से प्रियंका गांधी वाड्रा और अमेठी से राहुल गांधी को टिकट देने की बात कही गयी है। लिस्ट में बाकायदा कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी के.सी. वेणुगोपाल के हस्ताक्षर हैं। हालांकि अभी तक पार्टी या किसी भी स्तर से इस लिस्ट की पुष्टि नहीं की गयी है।

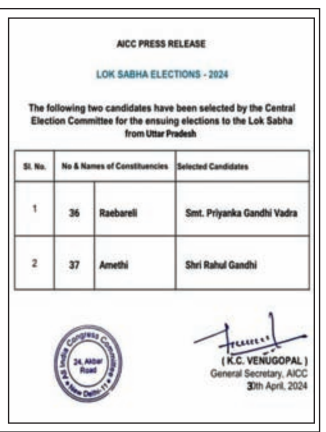

AICC PRESS RELEASE

LOK SABHA ELECTIONS - 2024

The following two candidates have been selected by the Central Election Committee for the ensuing elections to the Lok Sabha from Uttar Pradesh

Sl. No.	No & Names of Constituencies		Selected Candidates
1	36	Raebareli	Smt. Priyanka Gandhi Vadra
2	37	Amethi	Shri Rahul Gandhi

(K.C. VENUGOPAL)
General Secretary, AICC
30th April, 2024

उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी की सीट बेहद हॉट बनी हुई है। इन दोनों सीटों पर गांधी परिवार के उम्मीदवारों को उतारने के लिए पूरा जोर लगाया जा रहा है। अमेठी सीट पर लड़ने के लिए राहुल गांधी को लगातार मनाया जा रहा है। वहीं जानकारी मिली है कि गांधी परिवार के एक करीबी ने रायबरेली लोकसभा सीट पर प्रियंका गांधी को चुनाव लड़वाने के लिए एक बड़ी बैठक बुलाई है। अमेठी और रायबरेली की सीट पर उम्मीदवार का नाम तय करने को लेकर बने सस्पेंस के बीच सोशल मीडिया पर एक लिस्ट वायरल हुई है। इस लिस्ट में रायबरेली से प्रियंका गांधी वाड्रा और अमेठी से राहुल गांधी को टिकट देने की बात कही गयी है। इस लिस्ट में एआईसीसी के जनरल सेक्रेटरी केसी वेणु गोपाल के हस्ताक्षर हैं और यह लिस्ट 30 अप्रैल 2024 को जारी की हुई बताई गयी है।

भर गया मोदी सरकार का खजाना

जीएसटी कलेक्शन 2 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्र की मोदी सरकार के लिए लोकसभा चुनाव-2024 के बीच एक बड़ी खबर आई है। इस खबर के मुताबिक मोदी सरकार का खजाना भर गया है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों ने मोदी सरकार के खजाने को भर दिया है।

सरकार ने अप्रैल 2024 के लिए जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े जारी कर दिए हैं और ये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। नए वित्त वर्ष में देश ने जीएसटी कलेक्शन के मामले में इतिहास रच दिया है। जीएसटी शुरू होने के बाद पहली बार कलेक्शन 2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, जीएसटी कलेक्शन अप्रैल महीने में अब तक का सबसे ज्यादा 2.10 लाख करोड़ रुपये रहा है।

पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली जीएसटी कलेक्शन में बीते अप्रैल महीने ग्रॉस रेवेन्यू में भी सालाना आधार पर शानदार 12.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा नेट रेवेन्यू (रिफंड के बाद) 1.92 लाख करोड़ रुपये रहा है और इसमें साल-दर साल 17.1 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल 2024 के हुए कुल जीएसटी कलेक्शन में सेंट्रल जीएसटी (CGST) 43,846 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी (SGST) 53,538 करोड़ रुपये, (शेष पृष्ठ-3 पर)

स्कूटी से स्कूल जा रही छात्रा को ट्रक ने कुचला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया है। यहां ग्रेटर नोएडा के एनटीपीसी दादरी रोड पर स्कूल जा रही स्कूटी सवार छात्रा को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी, इस हादसे में छात्रा की मौके पर ही दर्दनाकसमौत हो गई। ग्रेटर नोएडा के थाना जारचा क्षेत्र के एनटीपीसी दादरी क्षेत्र में ट्रक की चपेट में आने से एक छात्रा की मौके पर ही जान चली गई। ग्रेटर नोएडा के एनटीपीसी दादरी के पटाड़ी गांव के रोड पर सुबह स्कूटी से छात्रा अपने स्कूल जा रही थी। मरने वाली छात्रा की पहचान मनेहा शाह पुत्री राकेश कुमार निवासी हनुमानपुरी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि स्कूटी से स्कूल जा रही छात्रा को तेज गति में आ रहे ट्रक ने कुचल दिया। इस हादसे के बाद इलाके में भारी भीड़ जमा हो गई। मरने वाली छात्रा डीएवी स्कूल एनटीपीसी की बताई जा रही है। ग्रेटर नोएडा के इस घटना के बाद (शेष पृष्ठ-3 पर)

बाइक सवार दंपती को ट्रक ने मारी टक्कर, पति की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। कोतवाली सेक्टर-63 क्षेत्र के सेक्टर-63 में मंगलवार देर रात एक चालक ने ट्रक को लापरवाही से चलते बाइक सवार दंपती को टक्कर मारकर घायल कर दिया। हादसे में घायल पति की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि गांव चक शाहबेरी के अशोक कुमार मंगलवार देर रात पत्नी को बाइक पर लेकर जा रहे थे। जब वह सेक्टर-63 के जे ब्लाक में पहुंचे तो ट्रक चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। घटना में पति-पत्नी गंभीर (शेष पृष्ठ-3 पर)

डीआरडीओ की बनाई पनडुब्बी रोधी मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के मामले में एक और बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल भारतीय नौसेना ने पनडुब्बी रोधी मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। यह मिसाइल सिस्टम डीआरडीओ ने नौसेना के लिए ही विकसित किया है। भारतीय नौसेना ने बुधवार को ओडिशा में बालासोर के तट पर सुपरसोनिक मिसाइल असिस्टेड रिलीज ऑफ टॉरपीडो (SMART) मिसाइल सिस्टम का सफल परीक्षण किया।

पनडुब्बी रोधी युद्ध में यह मिसाइल सिस्टम बेहद अहम है। यह एक कैनिस्टर आधारित मिसाइल सिस्टम जो लंबी दूरी के लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है। SMART मिसाइल को युद्धक जहाज के साथ ही तटीय इलाकों से भी लॉन्च किया जा सकता है। यह मिसाइल अपनी अधिकांश उड़ान कम ऊंचाई पर हवा में पूरी करती है और अपने लक्ष्य के नजदीक जाकर मिसाइल से टॉरपीडो रिलीज होकर पानी के भीतर लक्ष्य को भेद देगा।

टॉरपीडो एक सिगार के आकार का हथियार होता है, जिसे पनडुब्बी, युद्धक जहाज या लड़ाकू विमान से दागा जा सकता है। यह टॉरपीडो अपने लक्ष्य के संपर्क में आते ही (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा में कूड़े के ढ़ेर देख भड़के अधिकारी

निरीक्षण के दौरान कई जगह मिले गंदगी के ढ़ेर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा को साफ-सुथरा तथा स्वच्छता की रैंकिंग में अव्वल बनाने के लिए नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने नोएडा के कई सेक्टरों का दौरा किया। इस दौरान कई स्थानों पर गंदगी व कूड़े के ढ़ेर देखकर अधिकारियों ने नाराजगी जताई और चेतावनी दी कि जल्द से जल्द सफाई की जाए।

नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एस.के.) द्वारा जनस्वास्थ्य विभाग के खण्ड-1 प्रथम के उद्योग मार्ग झुंडपुरा, सेक्टर-11, 12, 55, 56, खोड़ा मार्ग, सेक्टर-62, 63, 70, 71 व एमपी-3 मार्ग का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जनस्वास्थ्य विभाग के उप महाप्रबंधक एसपी सिंह, परियोजना अभियंता गौरव बंसल, सहायक परियोजना अभियंता अरूण कुमार, उमेश चंद आदि मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरन इन मार्गों पर पड़ने वाले वैंडिंग जोन में डस्टबिन नहीं पाए गए। इसके अलावा कई जगह सी एण्ड डी वेस्ट पड़ा हुआ था जिसे तीन दिन के अंदर हटाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही नेहरू युवा केन्द्र सेक्टर-11 के पास सिंचाई नाले एवं सेक्टर-62 के सभी नालों की सफाई के निर्देश दिए गए। सेक्टर-62 के मुख्य मार्ग जेपी इंस्टीटयूट एवं हनुमान मंदिर रोड पर गंदगी व कूड़े के ढेर देखकर (शेष पृष्ठ-3 पर)

किसी भी अफ्वाह पर विश्वास न करें : पुलिस कमिश्नर

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने अभिभावकों से अपील की है कि वह किसी भी अफ्वाह पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि जनपद में स्थित सभी स्कूल पूरी तरह सुरक्षित हैं और सभी के बच्चे सकुशल हैं। आपको बता दें कि आज सुबह दिल्ली-एनसीआर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गयी थी। यह धमकी को नोएडा के डीपीएस स्कूल को भी दी गयी थी। जिसके बाद नोएडा पुलिस ने स्कूल में डॉग स्क्वायड भेजकर संदिग्ध वस्तु की तलाश कराई। तलाशी अभियान में पुलिस को कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। तलाशी अभियान पूरा होने के बाद पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वह किसी भी अफ्वाह पर विश्वास न करें और उन्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। पुलिस ने सभी स्कूलों की गहन जांच की है और कहीं पर भी कोई बम या संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है।

वैश्विक हैसियत

अब विकास, भारत सरकार की प्रमुख उपलब्धियां, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और उसके प्रधानमंत्री की विराट, वैश्विक हैसियत और तीसरे स्थान की आर्थिक महाशक्ति बनने सरीखे मुद्दे तो नेपथ्य में चले गए हैं अथवा प्रसंगवश बन गए हैं, लेकिन आरक्षण एक राष्ट्रीय, केंद्रीय मुद्दा बन गया है। चूंकि आरक्षण सीधा संविधान और दलित, पिछड़ों, आदिवासियों, गरीबों से जुड़ा मुद्दा है, लिहाजा ग्रामीण स्तर पर भी लोग चिंता जताने लगे हैं कि क्या देश का संविधान बदल दिया जाएगा? तो फिर आरक्षण भी समाप्त किया जा सकता है? यह कांग्रेस और सहयोगी दलों की पहली चुनावी सफलता लगती है कि फिलहाल संविधान और आरक्षण राष्ट्रीय मुद्दे बन गए हैं। गली-गली, मुहल्ला-दर-मुहल्ला इनकी ही चर्चा है। लोग इन्हीं मुद्दों को लेकर आशंकित हैं। अभी यह तय नहीं है कि इनसे ध्रुवीकरण होगा, तो कितना होगा? लेकिन भाजपा देश के कटघरे में है, क्योंकि उसे ही जनता को पूरी तरह आश्वस्त करना है कि संविधान किसी भी स्थिति में बदला नहीं जाएगा और आरक्षण लागू है तथा जारी रहेगा। बल्कि उसका दुरुपयोग बंद कराया जाएगा। दरअसल बहस भाजपा सांसदों-अनंत हेगड़े और लल्लू सिंह-के बयानों से ही शुरू हुई कि 400 पार के नारे और लक्ष्य के मकसद क्या हैं? उसी के आधार पर कांग्रेस ने आरोप चस्पा करने शुरू किए कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा-संघ 400 सीटों का जनादेश इसलिए मांग रहे हैं, ताकि संसद में पर्याप्त बहुमत के जरिए संविधान बदला जा सके और आरक्षण भी समाप्त किया जा सके। राहुल गांधी तो कहते रहे हैं कि भाजपा-संघ की बुनियादी सोच आरक्षण-विरोधी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री और भाजपा के प्रचारक नेताओं के आरोप हैं कि पिछड़ों के आरक्षण की आड़ में कांग्रेस की कर्नाटक सरकार ने मुसलमानों को 'पिछड़ा' घोषित कर उन्हें आरक्षण दिया है। गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस ने बाबा अंबेडकर का हमेशा अपमान किया। कर्नाटक में ओबीसी कोटे से मुसलमानों को जिस तरह 4 फीसदी आरक्षण दिया गया है, वह असंवैधानिक है। हम चुनाव के बाद इस मामले को देखेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता, यह सर्वोच्च अदालत का भी फैसला है। कांग्रेस की वजह से ही अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी और जामिया मिल्लिया यूनिवर्सिटी में एससी, एसटी, ओबीसी के लिए आरक्षण नहीं है। कांग्रेस और विपक्ष इसका जवाब दें। प्रधानमंत्री मोदी ने कर्नाटक के बेल्लारी में याद दिलाया कि जम्मू-कश्मीर में कभी भी आरक्षण लागू नहीं हो पाया था। भाजपा-एनडीए की सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त किया। उसके बाद ही भाजपा ने वहां आरक्षण लागू किया है। इस राजनीतिक बहस का जनता के मानस पर काफी असर पड़ेगा। इसका फलितार्थ यह भी हो सकता है कि जिन राज्यों में भाजपा ने 100 फीसदी सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया था, वहां यह सफलता मिलने के आसार कम होते जा रहे हैं। राजस्थान और उप्र इनके उदाहरण बताए जा रहे हैं। सत्ता-पक्ष की ओर से प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह मात्र दो ही मुख्य प्रचारक हैं, जो जनता को आश्वस्त करने में जुटे हैं कि लोकतंत्र और संविधान को कुछ नहीं होने वाला है। उनके अलावा, आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भी सफाई दी है कि संघ ने हमेशा संविधान सम्मत आरक्षण का समर्थन किया है। जब तक संवैधानिक तौर पर आरक्षण अनिवार्य लगे, तब तक यह जारी रहना चाहिए। राहुल गांधी को संघ प्रमुख के बयान पर भरोसा नहीं है, क्योंकि बिहार में विधानसभा चुनाव के दौरान 2015 में संघ प्रमुख ने कहा था कि आरक्षण की समीक्षा की जानी चाहिए। उस बयान के बाद भाजपा के लिए चुनाव पर पानी फिर गया था। अभी उप्र, बिहार, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश आदि राज्यों में मतदान होने हैं। केरल की 20 सीटों पर मतदान हो चुका है। इन राज्यों में मुसलमानों की आबादी काफी है। यदि मुस्लिम आरक्षण एक चुनावी मुद्दा बनता है, तो उससे गैर-मुस्लिम एकजुट हो सकते हैं। भाजपा भी ऐसा करने में जुट सकती है, लिहाजा आरक्षण ही चुनावी मुद्दा बनकर अगले चरणों के मतदान को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर एक वर्ग ऐसा भी है जो चाहता है कि आरक्षण आर्थिक आधार पर दिया जाना चाहिए। इससे सभी जातियों के गरीब लोगों को आरक्षण मिल जाएगा। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अगर कोई ऐसा करना चाहता है, तो उसे रोक दिया जाता है।

गहराते जल-संकट से जीवन एवं कृषि खतरे में

मानवीय गतिविधियों और क्रिया-कलापों के कारण दुनिया का तापमान बढ़ रहा है और इससे जलवायु में होता जा रहा परिवर्तन अब मानव जीवन के हर पहलू के साथ जलाशयों एवं नदियों के लिए खतरा बन चुका है। जलवायु परिवर्तन का खतरनाक प्रभाव गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र सहित प्रमुख जलाशयों और नदी घाटियों में कुल जल भंडारण पर खतरनाक स्तर पर महसूस किया जा रहा है, जिससे लोगों को गंभीर जल परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। केंद्रीय जल आयोग के नवीनतम आंकड़े भारत में बढ़ते इसी जल संकट की गंभीरता को ही दर्शाते हैं। आंकड़े देश भर के जलाशयों के स्तर में आई चिंताजनक गिरावट की तस्वीर उकेरते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल 2024 तक देश में प्रमुख जलाशयों में उपलब्ध पानी में उनकी भंडारण क्षमता के अनुपात में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आई है। जो हाल के वर्षों की तुलना में बड़ी गिरावट है। जो सूखे जैसी स्थिति की ओर इशारा करती है। जिसके मूल में अल नीनो घटनाक्रम का प्रभाव एवं वर्षा की कमी को बताया जा रहा है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज भारत गंभीर जल-संकट के साए में खड़ा है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, वर्षा की कमी, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता भारत को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है।

भारत भर में 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर वर्तमान में 31 प्रतिशत है, दक्षिण भारत में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जिसके 42 जलाशय वर्तमान में केवल 17 प्रतिशत क्षमता पर हैं। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई सबसे कम जल क्षमता का प्रतीक है। स्थिति अन्य क्षेत्रों में भी चिंताजनक है, पश्चिम में 34 प्रतिशत और उत्तर में 32.5 प्रतिशत जलाशय क्षमता है। हालाँकि, पूर्वी और मध्य भारत की स्थिति बेहतर हैं, उनके पास अपने जलाशयों की सक्रिय क्षमता का क्रमश: 40.6 प्रतिशत और 40 प्रतिशत है, पिछले वर्ष वर्षा कम थी, विशेष रूप से दक्षिण भारत में, 2023 का मानसून असमान था क्योंकि यह अल नीनो वर्ष भी था- एक जलवायु पैटर्न जो आम तौर पर इस क्षेत्र में गर्म और शुष्क परिस्थितियों का कारण बनता है। इससे काफी चिंता पैदा हुई है। वर्तमान में, सिंचाई भी प्रभावित हो रही है, और देश भर में पीने के पानी की उपलब्धता और जलविद्युत उत्पादन पर प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं। भविष्य को देखते हुए, आने वाले महीनों में और अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है, जो दर्शाता है कि आने वाले दिनों में बड़ा जल संकट उभरने वाला है।

लंबे समय तक पर्याप्त बारिश न होने के कारण जल भंडारण में यह कमी आई है। जिसके चलते कई क्षेत्रों में सूखे जैसे और असुरक्षित हालात पैदा हो गये हैं। जिससे विभिन्न फसलों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि देश की आधी कृषि योग्य भूमि आज भी मानसूनी बारिश के निर्भर है। ऐसे में सामान्य मानसून की स्थिति पर कृषि का भविष्य पूरी तरह निर्भर करता है। वास्तव में लगातार बढ़ती गर्मी के कारण जल स्तर में तेजी से गिरावट आ रही है। इसके गंभीर परिणामों के चलते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में पानी की कमी ने गंभीर रूप धारण कर लिया है। देश का आईटी हब बेंगलुरु गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। जिसका असर न केवल कृषि गतिविधियों पर पड़ रहा है बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में किसी आसन्न संकट से निपटने के लिये जल संरक्षण के प्रयास घरों से लेकर तमाम कृषि पद्धतियों और औद्योगिक कार्यों तक में तेज करने की जरूरत है। जल भंडारण और वितरण दक्षता में सुधार के लिये पानी के बुनियादी ढांचे और प्रबंधन प्रणालियों में बड़े निवेश की तात्कालिक जरूरत भी है। इसके साथ ही जल संरक्षण की परंपरागत तकनीकों को भी बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही आम लोगों को प्रकृति के इस बहुमूल्य संसाधन के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा हेतु प्रेरित करने के लिए जनजागरण अभियान चलाने की जरूरत है।

भारत भर में 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर वर्तमान में 31 प्रतिशत है, दक्षिण भारत में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है, जिसके 42 जलाशय वर्तमान में केवल 17 प्रतिशत क्षमता पर हैं। यह भारत के विभिन्न क्षेत्रों में देखी गई सबसे कम जल क्षमता का प्रतीक है।

पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है। दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये है, उन्हीं प्रयत्नों को व्यापक स्तर पर अपनाने एवं जल-संरक्षण क्रांति को घटित करने की अपेक्षा है।

सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, अब उन पर जलवायु परिवर्तन का घातक प्रभाव पड़ने लगा है। जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। देश के सात राज्यों के 8220 ग्राम पंचायतों में भूजल प्रबंधनों के लिए अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन हैं नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, इनकी रक्षा करो, इन्हें अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरुआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाकर या उनका जीर्णोद्धार करके बरसात के पानी को बचाया जा सकता है। धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं।

पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। इसी कारण राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों में जल संरक्षण के लिये नाड़ी, तालाब, जोहड़, बन्धा, सागर, समंद एवं सरोवर आदि बनाने की प्राचीन परम्परा रही है। जहाँ प्रकृति एवं संस्कृति परस्पर एक दूसरे से समायोजित रही हैं। राजस्थान के किले तो वैसे ही प्रसिद्ध हैं पर इनका जल प्रबन्धन विशेष रूप से देखने योग्य है और अनुकरणीय भी हैं। जल संचयन की परम्परा वहाँ के सामाजिक ढाँचे से जुड़ी हुई हैं तथा जल के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण के कारण ही प्राकृतिक जलस्रोतों को पूजा जाता है।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि प्राणियों को जलाने वाले ये पापी (रोग) जान लिए जाने से कुछ क्षीण अवश्य हो जाते हैं, परंतु नाश को नहीं प्राप्त होते। विषय रूप कुपथ्य पाकर ये मुनियों के हृदय में भी अंकुरित हो उठते हैं, तब बेचारे साधारण मनुष्य तो क्या चीज हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

राम कृपाँ नासहिं सब रोगा। जौं एहि भाँति बनै संजोगा॥
सदगुर बैद बचन बिस्वासा। संजम यह न बिषय कै आसा॥

यदि श्री रामजी की कृपा से इस प्रकार का संयोग बन जाए तो ये सब रोग नष्ट हो जाएँ। सद्गुरु रूपी वैद्य के वचन में विश्वास हो। विषयों की आशा न करे, यही संयम (परहेज) हो॥

रघुपति भगति सजीवन मूरी। अनूपान श्रद्धा मति पूरी॥
एहि बिधि भलेहिं सो रोग नसाहीं। नाहिं त जतन कोटि नहिं जाहीं॥

श्री रघुनाथजी की भक्ति संजीवनी जड़ी है। श्रद्धा से पूर्ण बुद्धि ही अनुपान (दवा के साथ लिया जाने वाला मधु आदि) है। इस प्रकार का संयोग हो तो वे रोग भले ही नष्ट हो जाएँ, नहीं तो करोड़ों प्रयत्नों से भी नहीं जाते॥

जानिअ तब मन बिरुज गोसाँई। जब उर बल बिराग अधिकाई॥
सुमति छुधा बाढ़इ नित नई। बिषय आस दुर्बलता गई॥

हे गोसाईं! मन को निरोग हुआ तब जानना चाहिए, जब हृदय में वैराग्य का बल बढ़ जाए, उत्तम बुद्धि रूपी भूख नित नई बढ़ती रहे और विषयों की आशा रूपी दुर्बलता मिट जाए॥

बिमल ग्यान जल जब सो नहाई। तब रह राम भगति उर छाई॥
सिव अज सुक सनकादिक नारद। जे मुनि ब्रह्म बिचार बिसारद॥

इस प्रकार सब रोगों से छूटकर जब मनुष्य निर्मल ज्ञान रूपी जल में स्नान कर लेता है, तब उसके हृदय में राम भक्ति छा रहती है। शिवजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, सनकादि और नारद आदि ब्रह्मविचार में परम निपुण जो मुनि हैं,॥

सब कर मत खगनायक एहा। करिअ राम पद पंकज नेहा॥
श्रुति पुरान सब ग्रंथ कहाहीं। रघुपति भगति बिना सुख नाहीं॥

हे पक्षीराज! उन सबका मत यही है कि श्री रामजी के चरणकमलों में प्रेम करना चाहिए। श्रुति, पुराण और सभी ग्रंथ कहते हैं कि श्री रघुनाथजी की भक्ति के बिना सुख नहीं है॥

(क्रमश:..)

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती उत्पादों की मांग

भारत में आज भी लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है एवं अपने जीवन यापन के लिए मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र पर ही आश्रित रहती है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार किये जा रहे विकास कार्यों के चलते इन क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत व्यय की जाने वाली राशि में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है। इससे, ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर निर्मित होने लगे हैं एवं ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कुछ कम हुआ है। विशेष रूप से कोरोना महामारी के खंडकाल में शहरों से ग्रामीण इलाकों की ओर शिफ्ट हुए नागरिकों में से अधिकतर नागरिक अब ग्रामीण क्षेत्रों में ही बस गए हैं एवं अपने विशेष कौशल का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को प्रदान कर रहे हैं।

हाल ही में जारी किए गए कुछ सर्वे प्रतिवेदनों के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग की एक नई कहानी लिखी जा रही है क्योंकि अब विभिन्न उत्पादों की मांग ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है। उपभोक्ता वस्तुओं एवं ऑटो निर्माता कम्पनियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में हाल ही के समय में उपभोग की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं एवं दोपहिया एवं चार पहिया वाहनों (ट्रैक्टर सहित) की मांग में तेजी दिखाई दे रही है, जो कि वर्ष 2023 में लगातार कम बनी रही थी। यह संभवत- रबी फसल के सफल होने के चलते भी सम्भव हो रहा है।

उक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने भी हाल ही में सम्पन्न अपनी द्विमासिक मोनेटरी पॉलिसी की बैठक में रेपो दर में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की है, ताकि बाजार, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के बाजार में, उत्पादों की मांग विपरीत रूप से प्रभावित नहीं हो, ताकि इससे अंतत: वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश के आर्थिक विकास की दर भी अच्छी बनी रहे।

भारत में पिछले कुछ समय से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न उत्पादों की मांग, शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध मांग की तुलना में कम ही बनी रही है। परंतु, वित्तीय वर्ष 2023-24 की तृतीय तिमाही के बाद से इसमें कुछ परिवर्तन दिखाई दिया है एवं अब ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग में तेजी दिखाई देने लगी है। यह तथ्य विकास के कुछ अन्य सूचकांकों से भी उभरकर सामने आ रहा है। जनवरी-फरवरी 2024 माह में दोपहिया वाहनों की बिक्री में, पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान की बिक्री की तुलना में, 30.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री में 9.3 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है, जो हाल ही के कुछ वर्षों में अधिकतम वृद्धि दर मानी जा रही है। दोपहिया वाहनों की बिक्री ग्रामीण

इलाकों (लगभग 10 प्रतिशत) में शहरी इलाकों (लगभग 7 प्रतिशत) की तुलना में अधिक रही है। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले रोजगार के अवसरों की मांग में भी फरवरी-मार्च 2024 माह के दौरान 9.8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है क्योंकि ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर अन्य क्षेत्रों में उपलब्ध हो रहे हैं। इसी प्रकार, ट्रैक्टर की बिक्री में भी जनवरी-फरवरी 2024 माह के दौरान 16.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में कुल 892,313 ट्रैक्टर की बिक्री हुई है जो पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है।

भारत के मौसम विभाग द्वारा जारी की गई भविष्यवाणी के अनुसार, वर्ष 2024 के मानसून मौसम के दौरान भारत में मानसून की बारिश के सामान्य से अधिक रहने की प्रबल सम्भावना है। इससे भारत के किसानों में हर्ष व्याप्त है क्योंकि मानसून के अच्छे होने से खरीफ की फसल के भी बहुत अच्छे रहने की सम्भावना बढ़ गई है। मौसम विभाग के सोचना है कि इस वर्ष अल नीनो के स्थान पर ला नीना का प्रभाव दिखाई देगा। अल नीनों के प्रभाव में देश में बारिश कम होती है एवं ला नीना के प्रभाव में देश में बारिश अधिक होती है। साथ ही, भारतीय किसान अब तिलहन, दलहन एवं बागवानी की फसलों की ओर भी आकर्षित होने लगे हैं। दालों, वनस्पति, फलों एवं सब्जियों के अधिक उत्पादन से किसानों की आय में वृद्धि दृष्टिगोचर है। केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न खाद्य उत्पादों की बिक्री के लिए ई-पोर्टल के बनाए जाने के बाद से तो भारतीय किसान अपनी फसलों को वैश्विक स्तर पर सीधे ही बेच रहे हैं और अपने मुनाफे में वृद्धि दर्ज कर रहे हैं। भारतीय खाद्य पदार्थों की मांग अब वैश्विक स्तर पर भी होने लगी है एवं खाद्य पदार्थों के निर्यात में भी नित नए रिकार्ड बनाए जा रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग सामान्यत: अच्छे मानसून के पश्चात अच्छी फसल एवं विभिन्न सरकारों, केंद्र एवं राज्य सरकारों, द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों पर किए जा रहे खर्चों में बढ़ौतरी के चलते ही सम्भव होती है। केंद्र सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की गई विकास की विभिन्न योजनाओं पर व्यय में लगातार वर्ष दर वर्ष वृद्धि की जा रही है एवं इसके लिए केंद्रीय बजट में भी बढ़े हुए व्यय का प्रावधान प्रति वर्ष किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर निर्मित हो रहे हैं एवं इन इलाकों में विभिन्न उत्पादों की मांग भी बढ़ती हुई दिखाई दे रही है।

नीलसन द्वारा किए गए एक सर्वे के यह बताया गया है कि जनवरी एवं फरवरी 2024 माह में भारत में विभिन्न उत्पादों की शहरी क्षेत्रों में मांग 1.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में मांग 2.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। विशेष रूप से फरवरी 2024 के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादों की मांग में वृद्धि लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। रबी की फसल के भी अच्छे रहने की सम्भावना बलवती हुई है जिसके कारण किसानों की मनोदशा भी सकारात्मक बन रही है और यह वित्तीय वर्ष 2024-25 में देश की आर्थिक वृद्धि दर को बलवती करने के मुख्य भूमिका निभाने जा रही है। आज देश की लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है यदि ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों की मनोवृत्ति सकारात्मक हो रही है तो निश्चित ही वित्तीय वर्ष 2024-25, आर्थिक विकास की दृष्टि से अतुलनीय परिणाम देने वाला वर्ष साबित होने जा रहा है।

- प्रहलाद सबनानी

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष : सप्तमी | (विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
प्रोफेशनल लाइफ में नई जान-पहचान बनेगी। कार्यों की अतिरिक्त जिम्मेदारी मिलेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
नई फिटनेस एक्टिविटी में शामिल हों। रोजाना योग और मेडिटेशन करें। इससे मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
कार्यों में देरी संभव है। वैवाहिक जीवन में किसी तीसरे व्यक्ति के दखल से दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
लाइफ में नई चीजों को एक्सप्लोर करें। अपने खर्च पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी में किसी बड़े अमाउंट में धन खर्च करने से बचें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
बिजनेसमेन को नई डील से धन लाभ होगा। लेकिन आज परिजनों से वैचारिक मतभेद संभव है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
धन का प्रबंधन बड़ी होशियारी से करें। आज आप अपने करियर गोल्स को लेकर मोटिवेटेड नजर आएंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
लंबे समय से रुके हुए कार्य चल पड़ेंगे। अपने खर्चों को कंट्रोल करने में सफल होंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। जीवन में मौज-मस्ती भरे पलों को एंजॉय करेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
लंबे समय से चली आ रही परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। आर्थिक स्थिरता आएगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आय के कई स्त्रोतों से धन लाभ होगा। पारिवारिक जीवन में खुशनुमा माहौल रहेगा। नई प्रॉपर्टी की खरीदारी के योग बनेंगे।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आर्थिक मामलों में भाग्यशाली रहेंगे। ऑफिस में नए प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
प्रोफेशनल लाइफ में लिए गए फैसले लाभकारी साबित होंगे। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

मेसर्स-वाइब्रो कास्टिक इंडिया लिमिटेड फेज-2 पर झंडा रोहणकर कर मई दिवस मनाते सीटू कार्यकर्ता।

भारतीय किसान यूनियन (अंबावता) संगठन का हुआ विस्तार

दादरी (चेतना मंच)। तहसील के रेलवे रोड भारतीय किसान यूनियन अंबावता संगठन कैंप कार्यालय पर संगठन का विस्तार हुआ।

जिसमें यूनियन के दादरी तहसील अध्यक्ष राजकुमार रूपवास ने बताया कि हमारे संगठन में लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं और सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं। जिसमें देवेंद्र नागर को बिसरख ब्लॉक सचिव नियुक्त किया गया।

ललित भाटी को सदस्य नियुक्त किया गया आशु गुर्जर को सदस्य नियुक्त किया गया सूचित नागर को सदस्य नियुक्त किया गया। पूनम गुर्जर को नोएडा महानगर महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नियुक्त किया गया जिला उपाध्यक्ष कपिल खारी ने सभी को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस मौके पर अशोक भाटी पाली, प्रदेश सचिव मनोज भाटी पाली, नगर अध्यक्ष दादरी गीता नागर, ग्रेटर नोएडा महानगर अध्यक्ष रवि खारी, ब्लॉक अध्यक्ष पवन भाटी, नोएडा महानगर अध्यक्ष राजकुमार भाटी, जगेश कुमार, अनिल कुमार, योगेश कुमार आदि लोग मौजूद थे।

नेताजी हुए भाजपा के झण्डा बरदार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गत विधानसभा चुनाव में जमानत गवाने वाले नेता अब भारतीय जनता पार्टी के झंडा बरदार हो गए हैं। बताते चलें कि दादरी विधानसभा से आम आदमी के टिकट पर चुनाव लड़े नेताजी अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए लेकिन जैसे ही लोकसभा का चुनाव आया नेताजी अपने चेलों चपाटों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए और पार्टी का झंडा बुलंद करने के अभियान में लग गए हैं जब अपनी जमानत बचा पाने में नेताजी स्वयं असफल रहे तो भारतीय जनता पार्टी को कहां तक संजीवनी एवं उसे बढ़ावा दे पाएंगे या तो भविष्य के गर्भ में है। लेकिन जिस तरह से नेताजी इन दिनों बड़बोलेपन लिए मशहूर हो रहे हैं उसे यह लगता है कि नेताजी बीजेपी के पूरी तरह से झंडा बरदार हो चुके हैं लोकसभा चुनाव संपन्न हुई अभी सप्ताह भर भी पूरा नहीं हुआ नेताजी अब पार्टी में पद लेने के लिए भाजपा के बड़े नेताओं के यहां गणेश परिक्रमा करना शुरू कर दिए हैं। नेताजी की झंडा बरदारी का किस्सा राजनैतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना है।

कई बूथों पर फेल रहा भाजपा का चुनावी प्रबंधन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। लोकसभा चुनाव तो संपन्न हो गया अब परिणाम आने के इंतजार में पार्टी कार्यकर्ता दिन-रात गुणा भाग कर रहे हैं। लेकिन मतदान के दिन जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी के बिसरख मंडल के मतदान केन्द्रों एवं बूथों पर प्रबंधन फेल रहा। यह पार्टी के वोट बैंक को नुकसान कर सकता है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बिसरख मंडल के कई बूथों पर भाजपा का प्रबंधन पूरी तरह से फेल रहा। यहां पर पार्टी कार्यकर्ताओं को ना तो तरजीह दी गई ना ही उन्हें बस्ते समय पर पहुंचाए गए। जिससे वोटरों पर इसका सीधा असर पड़ा है। बिसरख मंडल के अध्यक्ष को इसकी पूरी जिम्मेदारी पार्टी के जिला अध्यक्ष की

ओर से दी गई थी। लेकिन मंडल अध्यक्ष की मनमानी एवं अड़ियल रुख के कारण पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में असंतोष की स्थिति अभी भी बनी हुई है।

सूत्र बताते हैं कि बिसरख मंडल के अध्यक्ष ने जब से पदभार संभाला है तभी से पार्टी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मान न करना भी कई बार चर्चा का विषय बना रहा जिस दिन मतदान होना था। उस दिन कई बूथों पर समय से बस्ते नहीं पहुंचे और ना ही पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए जब कई पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता मंडल अध्यक्ष से संपर्क कर बात करने का प्रयास किया तो मंडल अध्यक्ष ने कहा कि अभी टेलीफोन रखिए मेरे पास समय नहीं है। एक तरफ जहां पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा को कार्यकर्ता भारी मतों से चुनाव जीतने की रणनीति पर काम कर रहे थे। वहीं मण्डल अध्यक्ष की तानाशाही राजनैतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना रहा।

ब्राह्मण मतदाताओं के चक्रव्यूह में फंस गये भाजपा प्रत्याशी!

भदोही (रमाकांत पाण्डेय)। नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ-साथ चुनावी सरगर्मी पूरी तरह से बढ़ गई है टीएमसी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी एवं भाजपा प्रत्याशी के बीच सीधा मुकाबला दिखाई दे रहा है सूत्र बताते हैं कि भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर विनोद बिंद ब्राह्मण मतदाताओं के चक्रव्यूह में पूरी तरह से फंसते नजर आ रहे हैं। पूरे लोकसभा सीट पर ब्राह्मण मतदाता भाजपा प्रत्याशी का एक स्वर से विरोध कर रहे हैं इससे स्पष्ट होता है कि इस बार भाजपा प्रत्याशी की नैया पार होने में शंसय है। भाजपा के ही लोग पार्टी प्रत्याशी को चुनाव हारने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। वहीं इंडिया गठबंधन टीएमसी के प्रत्याशी को जहां हर वर्ग एवं समाज का भरपूर समर्थन मिल रहा है। वही ब्राह्मण समाज का एक बड़ा वोट बैंक उनके कंधों से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प ले चुका है। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉक्टर विनोद बिंद को अब प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री से अंतिम आशा है। मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री की होने वाली जनसभा के बाद चुनावी समीकरण स्पष्ट हो पाएगा। लेकिन जिस तरह से लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी का विरोध हो रहा है। उससे चुनाव परिणाम बिल्कुल अलग ही होगा वही ब्राह्मण ठाकुर के साथ-साथ कई अन्य समाज के लोग भी भाजपा का विरोध कर रहे है।

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अनिश्चित कालीन धरना सेक्टर 142 नोएडा शहदरा गांव में आज 78वे दिन भी जारी रहा

सेवानिवृत्त अधिकारियों को दी भव्य विदाई

प्रयागराज (चेतना मंच)। इफको फूलपुर इकाई से सेवानिवृत्त हुए अधिकारी विश्वजीत श्रीवास्तव, एस.के.मल्होत्रा एवं महेन्द्र कुमार पाण्डेय के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के द्वारा किया गया। जिसमें सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों ने इफको से जुड़ी पुरानी यादें ताजा की तथा अपनी यहाँ तक की यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने अपने संदेश में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों के स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम का संचालन एस.के.अवस्थी ने किया। इस दौरान महाप्रबंधक ए.पी.राजेन्द्रन, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः पी.के.सिंह, संजय भंडारी, पी.के.पटेल, रत्नेश कुमार, अनीता मिश्रा, अरूण कुमार, अरवेन्द्र कुमार, एस.के.सिंह, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी व महामंत्री स्वयम् प्रकाश तथा इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

दिल्ली-नोएडा के...

छात्रों को घर भेजकर स्कूल परिसर की तलाशी की गई। लेकिन अभी तक किसी भी स्कूल में कुछ संदिग्ध नहीं मिला है। हम पुलिस और स्कूलों के संपर्क में हैं।

दिल्ली और नोएडा के जिन स्कूलों को धमकी भरे ईमेल किए गए हैं, उनमें द्वारका का DPS, मयूर विहार का मदर मैरी और नई दिल्ली का संस्कृति स्कूल, रोहिणी का डीपीएस स्कूल, वसंत कुंज का डीपीएस स्कूल, पीतमपुरा के डीएवी स्कूल के अलावा नोएडा के डीपीएस जैसे हाई प्रोफाइल स्कूल शामिल हैं।

द्वारका के हाई प्रोफाइल DPS स्कूल में बम रखे होने की धमकी दी गई। सुबह छह बजे दमकल विभाग को इसकी जानकारी दी गई, जिसके बाद दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। पूरे स्कूल की तलाशी की गई।

पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार के मदर मैरी स्कूल को भी एक धमकी भरा ईमेल मिला है। पूरे स्कूल को खाली करवाकर तलाशी ली गई। इसी तरह की धमकी नई दिल्ली के संस्कृति स्कूल को भी ईमेल के जरिए मिली। स्कूल में बम रखे होने की धमकी मिलने के बाद पूरे स्कूल को खाली करवाया गया।

इसी तरह की धमकी भरा ईमेल वसंत कुंज के DPS स्कूल और दक्षिण पश्चिम जिले के DAV स्कूल को भी किया गया है। पुष्प विहार के Amity स्कूल को भी 4.30 बजे धमकी भरा ईमेल किया गया था, जिसमें स्कूल में बम रखे होने की बात कही गई।

नोएडा के DPS स्कूल को भी बम की धमकी दी गई है। नोएडा डीपीएस स्कूल के प्रिंसिपल ने बताया कि नोएडा डीपीएस स्कूल को भी एक ईमेल मिला है, जिसमें बम की धमकी दी गई। हमने एहतियात के तौर पर तुरंत छात्रों को घर भेज दिया है।

नोएडा में कूड़े के...

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने नाराजगी जताई और अगले 4 दिनों में इसकी सफाई के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान सेक्टर-62 के पास प्लॉट ए-13 में कूड़ा भी मिला। साथ ही इलेक्ट्रोनिक सिटी मेट्रो स्टेशन के पास जयपुरिया मार्ग भी गंदा पाया गया। यहां के सेंट्रल वर्ज में भी गंदगी मिली।

भर गया मोदी सरकार...

आईजीएसटी 99,623 करोड़ रुपये और सेस 13,260 करोड़ रुपये शामिल है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के लिए कुल ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 20.18 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो कि इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में 0.18 लाख करोड़ रुपये ज्यादा है, तब 20 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी कलेक्शन हुआ था।

गौरतलब है कि जीएसटी (GST) को 01 जुलाई 2017 को लागू किया गया था। इसने अप्रत्यक्ष कर की कई जटिलताओं को दूर किया। इस नई प्रणाली से वैट (VAT), एक्साइज ड्यूटी (कई चीजों पर) और सर्विस टैक्स (Service Ta&) जैसे 17 टैक्स खत्म हो गए. छोटे उद्योग-धंधों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 40 लाख रुपये के सालाना टर्नओवर वाले बिजनेस को जीएसटी के दायरे से मुक्त कर दिया था। माल एवं सेवा कर (GST) को लागू करते हुए कहा गया था कि इससे न सिर्फ केंद्र सरकार को बल्कि राज्य सरकारों को भी राजस्व के मोर्चे पर लाभ होगा।

स्कूटी से स्कूल...

पुलिस बल पूरे इलाके में तैनात है। ग्रेटर नोएडा की मरने वाली छात्रा भी दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए है, उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

बाइक सवार दंपती...

रूप से घायल हो गए। उपचार के लिए दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर अशोक कुमार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपित ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि घायल महिला का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

डीआरडीओ की बनाई...

धमाके के साथ विस्फोट हो जाती है। इस मिसाइल सिस्टम के नौसेना में शामिल होने के बाद नौसेना की मेरीटाइम क्षमता काफी बढ़ जाएगी। पनडुब्बी रोधी युद्ध में यह मिसाइल सिस्टम बेहद अहम साबित होगा।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

रिकॉर्ड मुनाफे के बाद जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में जोरदार तेजी आई है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर मंगलवार को 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 599 रुपये पर पहुंच गए हैं। स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर मंगलवार को अपने लाइफ टाइम हाई पर जा पहुंचे हैं। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में यह तेज उछाल मार्च 2024 तिमाही में तगड़े मुनाफे और बैंक की एसेट क्वॉलिटी में सुधार के बाद आया है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 365 रुपये है। बेंगलुरु बेस्ड जना स्मॉल फाइनेंस बैंक ने इस साल 14 फरवरी को स्टॉक मार्केट में एंट्री की थी। लिस्टिंग के बाद से स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में 40 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आ गया है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों का इश्यू प्राइस 414 रुपये था। मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक का मई-जून 2025 तक यूनिवर्सल बैंक लाइसेंस के लिए अप्लाई करने का प्लान है। बेंगलुरु बेस्ड जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के टैक्स भुगतान के बाद मुनाफे में मार्च 2024 तिमाही में 296.8 पर्सेंट का तगड़ा उछाल आया है। मार्च 2024 तिमाही में बैंक को टैक्स चुकाने के बाद 321.4 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में टैक्स देने के बाद बैंक का मुनाफा 81 करोड़ रुपये था। वहीं, दिसंबर 2023 तिमाही के मुकाबले बैंक का पीएटी (टैक्स देने के बाद मुनाफा) 134.6 करोड़ रुपये था। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम मार्च 2024 तिमाही में सालाना आधार पर 26.4 पर्सेंट बढ़कर 590.7 करोड़ रुपये रही है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 467.3 करोड़ रुपये थी। वहीं, दिसंबर 2023 तिमाही के मुकाबले बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 7.7 पर्सेंट बढ़ी है। मार्च 2024 तिमाही में बैंक की अदर इनकम 179.9 करोड़ रुपये रही है।

137 से टूटकर 19 पर आया जयप्रकाश पावर वेंचर्स का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। पावर सेक्टर से जुड़ी कंपनी- जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट बढ़ा है। तिमाही नतीजे के ऐलान के बाद मंगलवार को जयप्रकाश पावर के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के दूसरे कारोबारी इस शेयर में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया और भाव 19.99 रुपये पर पहुंच गया। बता दें कि 12 फरवरी 2024 को शेयर की कीमत 23.99 रुपये पर पहुंच गई। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। मई 2023 में शेयर की कीमत 5.57 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का निचला स्तर है। इस पावर कंपनी के शेयर 4 जनवरी 2008 को 137 रुपये पर थे। मार्च 2020 में कंपनी के शेयर 99 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़ककर 27 मार्च 2020 को 60 पैसे पर पहुंचे थे। मार्च तिमाही में जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड का प्रॉफिट 588.79 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। 31 मार्च, 2023 को समाप्त तिमाही में कंपनी को 43.99 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 1,863.63 करोड़ रुपये हो गई।

मई 2024 से आपकी जेब पर बढ़ जाएगा भार? नए महीने के नए नियम बजट पर डालेंगे असर

नईदिल्ली, एजेंसी। नए महीने के साथ वित्तीय जगत से जुड़े कई बदलाव होने वाले है। ये परिवर्तन सीधे आम आदमी की जेब पर असर डालेंगे। मई महीने में सिलेंडर की कीमतों में बदलाव हो सकता है। म्युचुअल फंड निवेशकों और बैंक ग्राहकों से जुड़े कई नियम भी बदलने वाले हैं। मई महीने में कुछ बैंकों के बचत खातों पर लगने वाले शुल्क में इजाफा होगा। कुछ बैंक क्रेडिट कार्ड के जरिए यूटिलिटी भुगतान पर सरचार्ज भी लगाने वाले हैं। वरिष्ठ नागरिकों की सावधि जमा के डेडलाइन में भी परिवर्तन हो सकता है।

पेट्रोलियम कंपनियां हर महीने पेट्रोल-डीजल और एलपीजी के कमर्शियल व घरेलू सिलेंडरों की कीमतों की समीक्षा करती है। ऐसे में संभव है एक मई से इनकी कीमतों में परिवर्तन देखने को मिले। हालांकि इसका एलान 30 अप्रैल की मध्यरात्रि के बाद ही होने की संभावना है। देश में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं ऐसे में पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में होने वाले किसी भी बदलाव पर आम आदमी की नजर बनी रहेगी।

म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए जरूरी बदलाव

अगर आप म्युचुअल फंड में निवेश करते हैं तो एक मई 2024 से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। 30 अप्रैल 2024 के बाद अगर आपके म्युचुअल आवेदन पर लिखा नाम आपके पैन कार्ड पर लिखे नाम के सामान नहीं हुआ तो आपका आवेदन रद्द हो जाएगा। आधिकारिक रिकॉर्ड में आपका नाम एक जैसा दिखे यह सुनिश्चित करने के लिए केवाईसी नियमों में बदलाव किया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के अनिवार्य केवाईसी नियम कहते हैं कि आपका नाम एक समान होना चाहिए। इसे अनुसार आप पहली बार म्यूचुअल फंड फोलियो में निवेश कर रहे हैं, तो आपका नाम और आपकी जन्मतिथि आपके पेन पर लिखे नाम और जन्मतिथि के साथ-साथ आपके इनकम टैक्स रिकॉर्ड के समान होना चाहिए। राहत की बात यह है कि नया नियम नए निवेशकों को प्रभावित करेगा, न कि मौजूदा निवेशकों को।

आईसीआईसीआई बैंक में होंगे ये बदलाव

1 मई से आईसीआईसीआई बैंक बचत खाता सेवाओं पर लगने वाले शुल्क में परिवर्तन करेगा। इसमें डेबिट कार्ड पर लगने वाले 200 रुपये तक की सालाना फीस शामिल है। ग्रामीण इलाकों के लिए यह शुल्क 99 रुपये प्रति वर्ष है। चेक बुक की बात करें तो एक वर्ष में 25 चेक तक को शुल्क देय नहीं होगा पर इससे अधिक के लिए बैंक 4 रुपये प्रति चेक का शुल्क वसूल करेगा।

बैंक आउटवर्ड इमीडिएट पेमेंट सर्विस (आईएमपीएस) लेनदेन के लिए 2.5 रुपये से 15 रुपये प्रति लेनदेन के हिसाब से शुल्क लेगा। डिमांड ड्राफ्ट या पे ऑर्डर को रद्द करने, डुप्लिकेट या रिवैलिडेशन के लिए बैंक 100 रुपये का शुल्क लेगा। बैंक हस्ताक्षर सत्यापन के लिए प्रति आवेदन के लिए 100 रुपये और बैंक शाखा के जरिए किसी विशेष चेक के भुगतान को रोकने के लिए 100 रुपये चार्ज करेगा हालांकि कस्टमर केयर आईवीआर और नेट बैंकिंग के माध्यम से यह सुविधा मुफ्त में मिलेगी। वित्तीय कारणों से ईसीएस/एनएसीएच डेबिट रिटर्न पर 500 रुपये जुर्माना लगेगा।

यस बैंक के बचत खातों से जुड़े शुल्क बदलेंगे

यस बैंक ने 1 मई बचत खाता सेवाओं पर लगने वाले शुल्क में बदलाव की घोषणा की है। बैंक ने बचत खातों में अनिवार्य औसत मासिक शेष (एएमबी) से कम होने की स्थिति में अधिकतम शुल्क बढ़ा दिया है। अब बैंक ऐसी स्थिति में 250 रुपये से 1,000 रुपये के बीच चार्ज करेगा। इससे पहले यह शुल्क 250 रुपये से 750 रुपये के बीच था। बचत खाते के प्रकार, बैंक शाखा के स्थान और खाते में कमी की राशि के आधार पर यह शुल्क अलग-अलग होते हैं। अपर्याप्त धनराशि के कारण ईसीएस (इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस) रिटर्न की स्थिति में बैंक अब पहली बार 500 रुपये का शुल्क लेगा। दूसरे रिटर्न पर बैंक 550 रुपये का चार्ज करेगा।

वरिष्ठ नागरिकों की एफडी से जुड़ा बदलाव

एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ नागरिकों के सावधि जमा खातों में निवेश की आखिरी तारीख 02 मई 2024 है। इन खातों में सामान्य एफडी खातों की तुलना में 0.75 प्रतिशत अधिक ब्याज दिया जाता है। यह ऑफर 60 वर्ष या उससे से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों के लिए है। संभव है कि बैंक की ओर इन खातों में जमा की आखिरी तारीख में बदलाव किया जाए और इसे आगे बढ़ा दिया जाए।

क्रेडिट कार्ड से यूटीलिटी पेंमेंट पर लगेगा चार्ज

यस बैंक और आईडीएफसी बैंक ने एक मई से क्रेडिट कार्ड के जरिए यूटिलिटी भुगतान पर सरचार्ज लगाने का एलान किया है। टेलीफोन बिल, इलेक्ट्रिक बिल, गैस, पानी, इंटरनेट सेवाएं और केबल सर्विसेज से जुड़े पेमेंट यूटिलिटी भुगतान के अंतर्गत आते है। अगर यूटिलिटी सेवाओं का भुगतान 15000 रुपये से अधिक है तो यस बैंक उस पर 1 प्रतिशत के सरचार्ज के अलावे जीएसटी भी वसूलेगा। आईडीएफसी बैंक ने 20,000 रुपये से अधिक के यूटिलिटी भुगतान पर 1 रुपये सरचार्ज के साथ जीएसटी चार्ज करने की बात कही है।

भारत एंटरेप्रेन्योरशिप में बना ग्लोबल लीडर

ग्लोबल एंटरेप्रेन्योरशिप मॉनिटर (जीईएम) 2023-2024 रिपोर्ट के मुताबिक 49 देशों में दूसरे स्थान पर

मुंबई, एजेंसी। भारत कारोबार शुरू करने के लिए दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ स्थान है, इस दृष्टि से भारत को ग्लोबल एंटरेप्रेन्योरशिप मॉनिटर (जीईएम) 2023/2024 रिपोर्ट के अनुसार 49 देशों में दूसरे स्थान पर रखा गया है। ये रूझान भारत में विशेषज्ञों के साथ किए गए एक सर्वेक्षण पर आधारित हैं, जिसमें उन्हें 13 एंटरप्रेन्योरशिप फ्रेमवर्क कंडीशन्स (ईएफसी) पर देश का मूल्यांकन करने के लिए कहा गया। यह मूल्यांकन एक अर्थव्यवस्था के नेशनल एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्टेक्स्ट इंडैक्स स्कोर (एनईसीआई) और रैंक पर निर्भर करता है, जिसे युनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो एडम स्मिथ बिज़नेस स्कूल द्वारा जनरेट किया गया है। भारत तीन जीईएम देशों में से एक है जिनका ईएफसी मूल्यांकन पर्याप्त से अधिक रहा (नीदरलैण्ड्स और युनाइटेड अरब अमीरात के अलावा) फ्रेमवर्क कंडीशन्स के अच्छे स्कोर की वजह से भारत का परफोर्मेन्स मजबूत रहा है, जैसे एंटरप्रेन्योरशिप को समर्थन करने वाले 'सामाजिक एवं सांस्कृतिक नियम' और 'स्कूल में और स्कूल के बाद एंटरप्रेन्योरशिप की शिक्षा। यह मात्र पांच देशों में से एक है जहां विशेषज्ञों ने महिला उद्यमियों के लिए सामाजिक सहयोग तथा उनके लिए संसाधनों की सुलभता का मूल्यांकन किया और यह संतोषजनक या बेहतर पाया गया। पिछले साल के दौरान भारत की रैंकिंग चौथे स्थान से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आ गई है। जीईएम इंडिया टीम के नेशनल टीम लीडर और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेन्ट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, अहमदाबाद के महानिदेशक सुनील शुक्ला ने कहा, ''भारत नेशनल ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप मॉनिटर (जीईएम) सर्वे 2024 में एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्टेक्स्ट इंडैक्स स्कोर (एनईसीआई) की दृष्टि से 49 देशों में दूसरे स्थान पर रहा है।

एशियन पेंट्स ने विराट कोहली को क्रांतिकारी पेशकश, नियो भारत लेटेक्स पेंट के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया

नईदिल्ली, एजेंसी। एशियन पेंट्स, भारत की सबसे आगे रहने वाली पेंट और डेकोर कंपनी, क्रिकेट आइकन, विराट कोहली को अपने आने वाले नए लॉन्च - नियो भारत लेटेक्स पेंट के ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल करने की घोषणा गर्व से करती है।

नियो भारत लेटेक्स पेंट के साथ, एशियन पेंट्स इस डायनामिक उद्योग में अपनी मौजूदगी का विस्तार करके और इसे सभी के लिए ज्यादा सुलभ बनाकर पेंट की श्रेणी में क्रांति लाएगा। नियो भारत लेटेक्स पेंट हर तरह से क्रांतिकारी है क्योंकि इसमें विशेष पॉलिमर तकनीक है जो बेहतर फिनिश, ज़्यादा कवरेज और क्लीनेबिलिटीदेती है। ये प्रगति के रंग, जो कि नियो भारत की टैग लाइन है, उन लाखों भारतीयों को समर्पित है जो बेहतर जीवन की तलाश में हैं, और एशियन पेंट्स का लक्ष्य उनकी यात्रा में उनके साथ कदम से कदम मिला कर चलना है। बाजार में सबसे आगे रहते हुए, एशियन पेंट्स ने लगातार ऐसे नए-नए उत्पाद पेश किए हैं जो बेहतरीन होने को फिर से परिभाषित करते हैं, और नियो भारत लेटेक्स पेंट एक बार फिर इस श्रेणी में क्रांति लाने के लिए तैयार है। विराट कोहली से बेहतर कौन इस स्तर के लॉन्च के साथ न्याय कर सकता है। विराट ब्रांड के मूल्यों और भावना का प्रतीक हैं और यह एशियन पेंट्स के नेतृत्व और उच्च स्तर और प्रदर्शन के लिए समर्पण को दिखाता है, यह उन्हें एशियन पेंट्स और नए ढंग से बने नियो भारत लेटेक्स पेंट दोनों के लिए एक एकदम सही चेहरा बनाता है। आगामी लॉन्च और उसके ब्रांड एंबेसडर के लिए अपना उत्साह दर्शाते हुए, एशियन पेंट्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ, अमित सिंगल ने कहा, हमारा आने वाला लॉन्च, नियो भारत लेटेक्स पेंट, एशियन पेंट्स के इतिहास में सबसे बड़े मौकों में से एक है, और विराट कोहली का इस जबरदस्त ब्रांड के चेहरे के रूप में होना हमारे उत्साह को बढ़ाता है। आज कोहली को खेल और भारतीय टीम को कुछ इस तरह से बदलने का श्रेय दिया जाता है, जैसा कई दूसरे लोग नहीं कर पाए। उनकी लोकप्रियता किसी खास इलाके तक सीमित नहीं है, उनके व्यक्तित्व से नए भारत का आत्मविश्वास झलकता है।

भारत में लॉन्च हुई फर्स्ट-एवर ऑल-इलेक्ट्रिक बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव

मुंबई, एजेंसी। भारत में फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 को लॉन्च किया गया है। जो विशिष्ट बीएमडब्ल्यू ड परफॉर्मेन्स मॉडल, बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव के रूप में मिलेगी।

यह ऑल-इलेक्ट्रिक स्पोर्टी एग्जिक्यूटिव सिडैन अपनी सुडौल उपस्थिति, नवाचारी टेक्नोलॉजी, और डाइनैमिक कार्यप्रदर्शन के साथ सबसे आगे है। बीएमडब्ल्यू बीएमडब्ल्यू एम जीएमबीएच के परफॉर्मेंस मॉडल के रूप में ऑल-इलेक्ट्रिक बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव बतौर मानक निर्दिष्ट बाहरी फीचर्स के साथ आती है, जो अपनी शानदार स्पोर्ट संभावना को भी स्पश्ट रूप से रेखांकित करती है। फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव आज से कम्प्लीटली बिल्ट-अप युनिट के रूप में संपूर्ण भारत में सभी बीएमडब्ल्यू डीलरशिप पर उपलब्ध है।

विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट, बीएमडब्ल्यू इंडिया ने कहा कि, फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव के साथ आप पूरी तरह रोमांचकारी अनुभव से कम कुछ भी अपेक्षा नहीं कर सकते। इसमें एक साथ स्पोर्टीएस्ट एग्जिक्यूटिव सिडैन - 5 की आठ पीढ़ियों की विरासत, एम का जोश से भरपूर परफॉर्मेन्स और आइ की सस्टेनेबिलिटी समाहित है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया की ओर से छठी इलेक्ट्रिक पेशकश के रूप में बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव, भारतीय लग्जरी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेग्मेण्ट में हमारी लीडरशिप को और मजबूत करेगी। आधुनिक युग के लिए उत्साह को परिभाषित करने वाले समझौताहीन परफॉर्मेन्स के साथ यह एक ऐसा अनुभव है जिसे बेमिसाल रोमांच के लिए अभियंत्रित किया गया है। इन्वॉइस बनाने के समय प्रचलित कीमत लागू होगी। एक्स-शोरूम कीमतों में यथालागू कम्पेन्सेशन सेस सहित शामिल है, लेकिन रोड टैक्स, टैक्स कलेक्टेड ऐट सोर्स टैक्स कलेक्टेड ऐट सोर्स पर ळैज, त्व्ज् स्टैटूटरी टैक्सेस/फीस, अन्य लोकल टैक्स सेस लेवीज और इन्श्योरेस सम्मिलित नहीं हैं। कीमत और विकल्पों में किसी पूर्व सूचना के बगैर बदलाव हो सकता है। विस्तृत जानकारी के लिए कृपया स्थानीय ऑथराइज्ड बीएमडब्ल्यू डीलर से संपर्क करें। फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव नॉन-मटैलिक पेंटवर्क के रूप में अल्पाइन वाइट और निम्नलिखित मटैलिक पेंटवर्क में उपलब्ध है - ड ब्रुक्लीन ग्रे, ड कार्बन ब्लैक, केप यॉर्क ग्रीन, फाइटॉनिक ब्लू, ब्लैक सफायर, सोफिस्टो ग्रे, ऑक्साइड ग्रे, मिनरल वाइट। विकल्प के रूप में निम्नलिखित बीएमडब्ल्यू इंडिविजूअल पेंटवर्क्स भी उपलब्ध हैं - फ्रोजन पोर्टिमाओ ब्लू, फ्रोजन डीप ग्रे, फ्रोजेन प्यूर ग्रे और टैन्सेनाइट ब्लू। मानक इंटीरियर ट्रिम कार्बन फाइबर में है और अपहोल्स्ट्री के विकल्पों में अल्कांटारा/वेगान्जा द्य ब्लैक शामिल है।

आईआईएम संबलपुर के 8वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में 236 विद्यार्थियों को प्रदान की गई डिग्रियां

संबलपुर, एजेंसी। देश के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में से एक आईआईएम संबलपुर का 8वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। संस्थान के इतिहास में यह दिन इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण उपलब्धि वाला दिन रहा, क्योंकि इस दीक्षांत समारोह में 8वें एमबीए बैच (2022-24) के साथ-साथ एग्जीक्यूटिव एमबीए (2021-23) के पहले बैच को भी डिग्रियां प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह में प्रिया पंत और रोमा दाश ने क्रमशः एमबीए और एक्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए चेयरमैन गोल्ड मैडल हासिल किए। आईआईएम संबलपुर के लिए यह गर्व की बात थी और महिला सशक्तिकरण के लिहाज से भी यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि कही जा सकती है कि संस्थान की दो छात्राओं ने प्रथम रैंक प्राप्त कर क्रमशः एमबीए और एक्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम के प्रतिष्ठित चेयरमैन गोल्ड मैडल हासिल किए। यह भी गौरतलब है कि एमबीए बैच में शीर्ष 10 स्कोररों में से 6 आरक्षित श्रेणियों से थे। बंधन बैंक के फाउंडर, एमडी और सीईओ श्री चंद्रशेखर घोष ने मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर आईआईएम संबलपुर के बीओजी की चेयरमैन और सेल्सफोर्स इंडिया की चेयरमैन और सीईओ श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य भी उपस्थित थीं। दीक्षांत समारोह में आईआईएम संबलपुर के डायरेक्टर प्रोफेसर महादेव जायसवाल, डीन, संकाय सदस्य, स्नातक छात्र और उनके अभिभावक भी शामिल हुए।

स्कैनपॉइंट जियोमैट्रिक का राइट इश्यू खुलेगा

मुंबई एजेंसी। स्कैनपॉइंट जियोमैट्रिक लिमिटेड (एसजीएल) जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस की एक प्रमुख प्रदाता, कंपनी का राइट इश्यू 30 अप्रैल, 2024 को खुल रहा है. कंपनी पात्र शेयरधारकों को 67:47 (रिकॉर्ड तारीख पर कंपनी के पात्र इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए पूर्णतः चुकता 47 इक्विटी शेयर्स के लिए 67 इक्विटी शेयर्स) के अनुपात में कुल 49.40 करोड़ मूल्य के 5 प्रति इक्विटी शेयर (3 प्रति इक्विटी शेयर प्रीमियम सहित) मूल्य पर नकद 2 प्रत्येक सम भाव के 9,88,00,000 पूर्णतः चुकता इक्विटी शेयर्स जारी करेगी. इस इश्यू के मार्फत एकत्र किए जाने वाले फंड का उपयोग कंपनी के प्रमाणित असुरक्षित कर्ज का पुनरभुगतान करने, कंपनी के कारोबारी क्रियाकलाप हेतु कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने और आम कॉर्पोरेट खर्चों का वित्त पोषण करने के लिए किया जाएगा. राइट इश्यू की लीड मैनेजर विव्रो फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है.

शक्ति पंप्स ने हासिल किया अब तक का सबसे ज्यादा रेवेन्यू और प्रॉफिट

वित्तीय वर्ष 24 में 142 करोड़ रहा शुद्ध लाभ

पीथमपुर, एजेंसी। सोलर स्टेनलेस-स्टील सबमर्सिबल पंप, प्रेशर बूस्टर पंप, पंप-मोटर्स, कंट्रोलर और इनवर्टर सहित अन्य उत्पादों के अग्रणी निर्माता शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने कंपनी के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, एफवाय24 शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है, क्योंकि कंपनी ने रेवेन्यू और प्रॉफिट के मामले में अब तक का मजबूत प्रदर्शन किया है। यह हमारी गवर्नमेंट और एक्सपोर्ट बिजनेस दोनों में हमारे उत्कृष्ट प्रदर्शन को बताता है, जिसने एफवाय24 में क्रमशः 52 प्रतिशत और 23 प्रतिशत की रेवेन्यू में ग्रोथ दर्ज की है। हमारी प्रभावशाली ऑर्डर बुक, राशि 2,400 करोड़ रुपये, 31 मार्च 2024 तक हाल ही में 250.62 करोड़ रुपये के तीन नए ऑर्डर के साथ जनवरी 2024 की शुरुआत से हरियाणा और महाराष्ट्र में विस्तारित हुआ है। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड अपने ऑर्डर बुक के निरंतर विस्तार के बारे में आशावादी है, जो कृषक समुदाय के बीच सोलर पंपों को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

तिमाही के दौरान कंपनी ने सफलतापूर्वक 200 करोड़ रुपये क्यूआईपी के माध्यम दो प्रमुख म्यूचुअल फंडों से प्राप्त किये है। इन राशियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पंप/मोटर्स, इनवर्टर/वीएफडी और सहायक स्ट्रक्चर की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाएगा। रिसर्च और डेवलपमेंट के प्रति हमारा अटूट समर्पण है, क्योंकि हम खुद को एक इनोवेशन केंद्रित इंटरप्राइजेज के रूप में परिभाषित करने का प्रयास करते हैं। यह प्रतिबद्धता हमारे द्वारा हाल ही में हासिल किए गए दो अतिरिक्त पेटेंटों से प्रमाणित होती है, जिसमें फाइल किए गए 29 में से हमें कुल 13 पेटेंट प्राप्त हो गए हैं7 सोलर पीएम कुसुम योजना के नेतृत्व में पंप उद्योग, 14 लाख से अधिक ऑफ-ग्रिड और 35 लाख से अधिक ऑन-ग्रिड सोलर पंपों की अनुमानित स्थापना डिमांड के साथ डेवेलपमेंट के लिए तैयार है। विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसे किसान हैं जिन्होंने अपने खेतों की सिंचाई के लिए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया है। जिसमे डिस्कॉम को बेसिक स्ट्रक्चर उपलब्ध कराने में कॉस्ट शामिल होती है, साथ ही बिजली कम रियायती दरों पर उपलब्ध करानी होती है, जो डिस्कॉम की वित्तीय स्थिति पर और अधिक बोझ डालती है। इसके बावजूद, कई किसान बिजली कनेक्शन से वंचित रह जाते हैं और उनकी जरूरतें पूरी नहीं होती हैं। राज्य और केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से 60-70 प्रतिशत कॉस्ट को कम करने के साथ, सब्सिडी वाले सोलर पंपों के बदलाव से, सरकार को एक सॉल्यूशन प्राप्त होगा। यह पहल केवल 2-3 वर्षों में किसानों को विश्वसनीय बिजली प्रदान करते हुए, स्थिरता की ओर ले जाते हुए, बचत के साथ सब्सिडी को संतुलित करती है। रणनीतिक रूप से मजबूत, शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड निरंतर विकास के लिए तैयार है, ऑर्डर में अनुमानित वृद्धि का लाभ उठाने और संभावित अवसरों के लिए खुद को उपयुक्त स्थिति में लाने के लिए तैयार है।

सागर के वेदांत असाटी 98.53 परसेंटाइल हासिल कर बने सिटी टॉपर

सागर। परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने सागर से अपने स्टूडेंट वेदांत असाटी की असाधारण उपलब्धि की घोषणा करते हुए गर्व महसूस किया, जिन्होंने ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) मेन 2024 के दूसरे सत्र में 98.53 परसेंटाइल हासिल कर सागर मे सिटी टॉप किया है।उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले स्टूडेंट वेदांत असाटी ने 98.53 परसेंटाइल हासिल किया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों को दिया। उनकी उपलब्धि में उनके परिवार, शिक्षक और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के समर्थन का बड़ा हाथ है। स्टूडेंट्स का शानदार प्रदर्शन न केवल उनकी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, बल्कि भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक में परीक्षण किए गए विषयों पर उनकी गहरी पकड़ को भी सामने लाता है. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 24 अप्रैल, 2024 की देर रात दूसरे सत्र के परिणामों का अनावरण कर उत्कृष्टता का एक नया मानदंड स्थापित किया है.आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के क्लासरूम प्रोग्राम में नामांकित, इन छात्रों ने विश्व स्तर पर सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित आईआईटी जेईई के लिए एक कठिन यात्रा शुरू की।

टाटा मोटर्स ने कॉमर्शियल वाहनों की आसान फाइनेंसिंग के लिए साउथ इंडियन बैंक के साथ समझौता ज्ञापन किया

मुंबई एजेंसी। भारत में कॉमर्शियल वाहनों के सबसे बड़े निर्माता, टाटा मोटर्स ने कॉमर्शियल वाहन खरीदने वाले उपभोक्ताओं और डीलरों को फाइनेंस के सुविधाजनक समाधान देने के लिए साउथ इंडियन बैंक के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। साउथ इंडियन बैंक कंपनी के सभी तरह के कॉमर्शियल वाहनों की खरीदारी के लिए उपभोक्ताओं को फाइनेंसिंग की सुविधा देगा और उपभोक्ताओं को बैंक के व्यापक नेटवर्क और खसतौर से बनाई गई भुगतान की आसान योजनाओं से फायदा मिलेगा। यह सहयोग डीलरशिप को बेहतर सहयोग देने, वृद्धि को बढ़ावा देने, कोलेटरल की जरूरतों को कम से कम करने, ब्याज दर में कटौती करने और ऋण की प्रक्रिया को सुचारू बनाने में किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयासों को दर्शाता है। साउथ इंडियन बैंक के एमडी और सीईओ श्री पी. आर. शेषाद्रि ने विकास के बारे में कहा, साउथ इंडियन बैंक में, हम सुरक्षित, फुर्तीला और गतिशील बैंकिंग माहौल बनाने के लिए समर्पित हैं, जो गाड़ियों के मालिकों और डीलरों की जरूरत को पूरा कर सके। टाटा मोटर्स के साथ हमारे समझौते ने हमें कमर्शल वाहन के डीलरों और उपभोक्ताओं को वाहन को फाइनेंस करने के लिए आसान और सुविधाजनक समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाया है। हमें पूरी उम्मीद है कि टाटा मोटर्स के साथ हमारी साझेदारी से फाइनेंसिंग के बेहतरीन समाधान मिलेंगे, जो इंडस्ट्री में उत्कृष्टता के नए मानदंड स्थापित करेंगे।''

टाटा मोटर्स कॉमर्शियल व्हीकल्स में ट्रक्स डिविजन के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड श्री राजेश कौल ने इस साझेदारी के बारे में कहा, हम प्रतिष्ठित साउथ इंडियन बैंक के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा कर बहुत खुशी महसूस कर रहे हैं। हमारे उपभोक्ताओं के लिए, कॉमर्शियल वाहन खरीदने के लिए फाइनेंसिंग समाधानों तक आसान पहुंच उनके परिचालन की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है।

टी20 विश्व कप 2024
भारतीय टीम की घोषणा
रोहित को कप्तानी, हार्दिक बने उप-कप्तान, पंत की वापसी

टी20 विश्व कप 2024 में भारत का शेड्यूल

5 जून : भारत बनाम आयरलैंड नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क
9 जून : भारत बनाम पाकिस्तान नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क
12 जून : यूएसए बनाम भारत नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क
15 जून : भारत बनाम कनाडा सेंट्रल ब्रोवार्ड पार्क एंड ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम, लॉडरहिल

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने एक जून से वेस्टइंडीज और संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले आगामी आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के लिए की 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा टीम की अगुवाई करते नजर आएंगे, जबकि हार्दिक पांड्या को उप-कप्तान बनाया गया है। भारत अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत 5 जून 2024 को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद 9 जून को उसी स्थान पर पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा। टीम में विराट कोहली के साथ यशस्वी जायसवाल को जगह मिली है। सूर्यकुमार यादव की भी टीम में वापसी हुई है। इसी के साथ विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत और संजू सैमसन दोनों को टीम में शामिल किया गया है। ऑलराउंडर के रूप में शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल नजर आएंगे।

गेंदबाजों में कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल की जोड़ी एक बार फिर मैदान पर दिखाई देगी, जबकि प्रभावी अर्शदीप सिंह को मौका दिया गया है। तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह के साथ मोहम्मद सिराज भी नजर आएंगे। टीम में मोहम्मद शमी को जगह नहीं मिली है क्योंकि वह रिकवरी पर हैं। इसके अलावा शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और अवेश खान को रिजर्व के तौर पर रखा गया है।

- **बल्लेबाज (5)** : कप्तान रोहित शर्मा के साथ-साथ पूर्व कप्तान विराट कोहली और टी20 के नंबर-1 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव बल्लेबाजी यूनिट के अहम अंग रहेंगे। शिवम दुबे और यशस्वी जायसवाल को भी मौका मिला है। यशस्वी के ओपनिंग करने की संभावना है, वहीं शिवम दुबे फिनिशर की भूमिका में दिखेंगे।
- **विकेटकीपर (2)** : विकेटकीपर बल्लेबाजों में ऋषभ पंत और संजू सैमसन को जगह मिली है। पंत ने आईपीएल 2024 के जरिए प्रोफेशनल क्रिकेट में वापसी की है। पंत ने कुछ धमाकेदार पारियां खेलकर फॉर्म में होने के संकेत दिए। विकेट के पीछे भी पंत का प्रदर्शन शानदार रहा है। उधर, संजू सैमसन को दूसरे विकेटकीपर के तौर पर जगह मिली है।
- **ऑलराउंडर्स (3)** : ऑलराउंडर्स में हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा को जगह मिली है। हार्दिक टी20 वर्ल्ड कप में उप-कप्तानी का भी जिम्मा निभाएंगे। हार्दिक आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हैं। स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल को भी अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है।
- **स्पिनर्स (2)** : विशेषज्ञ स्पिन गेंदबाजों के तौर पर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया गया है। लेग-स्पिनर चहल भारत के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और वह आईपीएल में शानदार खेल दिखा रहे हैं। चूंकि टी20 वर्ल्ड कप वेस्टइंडीज और यूएसए में होना है, ऐसे में स्लो पिचों पर कुलदीप और चहल का रोल काफी अहम हो सकता है।
- **तेज गेंदबाज (3)** : फास्ट बॉलिंग यूनिट में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह का अहम रोल रहेगा। वहीं मोहम्मद सिराज को भी तीसरे स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाज के तौर पर शामिल किया गया है। सिराज मौजूदा आईपीएल सीजन में महंगे साबित जरूर हुए हैं, मगर इंटरनेशनल लेवल पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।

टी20 विश्व कप को भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।
रिजर्व : शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और आवेश खान

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप : इंग्लैंड स्क्वॉड का ऐलान, बटलर कप्तान

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के लिए इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 15 सदस्यीय स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड की कप्तानी जोस बटलर ही करेंगे, जबकि जोफ्रा आर्चर और क्रिस जॉर्डन की टीम में वापसी हुई है। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में जलवा बिखेर रहे फिल सॉल्ट को भी टीम में मौका मिला है। आईपीएल में इंग्लैंड के जितने खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, वे सभी 22 मई से हेडिंग्ले में शुरू हो रही पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए लौटेंगे और फिर 31 मई को इंग्लैंड क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज रवाना होगी। जहां बारबाडोस में उन्हें अपना टी20 वर्ल्ड कप 2024 का ओपनिंग मैच स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलना है। इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ मैच 21 मई से खेले जाने हैं। इसका मतलब इंग्लैंड के वो खिलाड़ी, जो पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज और टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड का हिस्सा हैं, वे प्लेऑफ में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

इंग्लैंड स्क्वॉड : जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक, टॉम हार्टले, फिल सॉल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, विल जैक्स, मोईन अली, जोफ्रा आर्चर, जॉनी बेयरस्टो, सैम करन, मार्क वुड, बेन डकेट, क्रिस जोर्डन और रीसी टॉपले।

आईपीएल 2024
चेपॉक में चलेगी गेंदबाजों की हंटर या बैटिंग से मचेगा कोहराम

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 का 49वां मैच बुधवार को चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों की यह टक्कर एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगी। सीएसके की टीम अपने पिछले मुकाबले में इस मैदान पर लखनऊ सुपरजाइंट्स को हराया था। टीम के लिए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 98 रनों की पारी खेली थी, जबकि गेंदबाजी में तुषार देशपांडे ने कहर बरपाया था। पंजाब और सीएसके के बीच खेले जाने वाले इस मैच में कैसी होने वाली है पिच, यह देखना होगा।

पंजाब की टीम सीएसके के गढ़ चेपॉक में खेलने उतरेगी। यहां की पिच गेंदबाजों के लिए खूब मददगार रहती है। मेजबान टीम ने पिछले मैच में सनराइजर्स पर 78 रन की आसान जीत दर्ज की। अगर ओस नहीं पड़े तो फिर दूसरी पारी में भी रन बनाना मुश्किल हो जाता है, जैसा कि सनराइजर्स के खिलाफ देखने को मिला था। चेपॉक के कंडीशन को देखते हुए टॉस जीतने वाली टीम अधिकतर पहले गेंदबाजी करना चाहती है, लेकिन ओस नहीं होने पर यह फैसला उल्टा पड़ सकता है। सनराइजर्स के खिलाफ मैच में सीएसके ने 200 से अधिक रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद कमाल की गेंदबाजी से सनराइजर्स को धराशायी कर दिया। ऐसे में पंजाब के लिए चेपॉक पर खेलना आसान नहीं होने वाला है। हालांकि, टीम ने हाल ही में टी20 क्रिकेट का सबसे विशाल लक्ष्य को चेज किया है।

दोनों टीमों का स्क्वाड

सुपरकिंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, अरावेल्ली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हांगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्ताफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महीश तीक्षणा और समीर रिज्वी।

पंजाब किंग्स : शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जॉनी बेयरस्टो, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व ताइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कागिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

समय : मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

उबेर कप : चीन के आगे फीका पड़ा भारत का युवा जोश

- उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में 5-0 से हारी भारतीय महिला टीम

चेंगदू (चीन)। भारत की महिला टीम को मंगलवार को चेंगदु में चल रहे उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में चीन ने 5-0 से रौंद दिया। युवा सनसनी अनमोल खरब टखने में चोट के कारण आंखों में आंसुओं के साथ कोर्ट से हटना पड़ा। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत इस टूर्नामेंट में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बिना खेल रहा है जिन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। इसके अलावा अश्विनी पोनप्पा-तनीशा क्रास्तो और त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद के बिना भारतीय टीम यह टूर्नामेंट खेल रही है।

कुश्ती संघ
दीपक-सुजीत जाएंगे इस्तांबुल

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ ने फैसला लिया है कि नौ से 12 मई को इस्तांबुल (तुर्किये) में होने वाले अंतिम ओलंपिक क्वालिफायर में वही टीम खेलेगी जो पहले ओलंपिक क्वालिफायर में खेली थी। टीम के चयन के लिए समय कम होने के कारण कोई ट्रायल नहीं कराया जाएगा। बिश्केक (किर्गिस्तान) में हुए पहले ओलंपिक ट्रायल में दीपक पूनिया (86 भार वर्ग) और सुजीत कलकल (65) दुबई एयरपोर्ट पर फंस जाने के कारण नहीं खेल पाए थे। इस बार दोनों पहलवान अंतिम क्वालिफायर में कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।

भारत अगले साल गुवाहाटी में BWF विश्व जूनियर चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

भारत अगले साल गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। खेल की वैश्विक संचालन संस्था बीडब्ल्यूएफ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वर्ष 2008 के बाद यह पहली बार होगा जब विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन भारत में होगा। बीडब्ल्यूएफ ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' भारत ने पिछली बार पुणे में इस प्रतियोगिता की मेजबानी की थी।

बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष पॉल-एरिक होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में एलीट प्रतिभाएं सामने आ रही हैं और हमारी विश्व जूनियर प्रतियोगिता को दूसरी बार भारत लाना बीडब्ल्यूएफ के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''बीएआई का नया राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन के लिए एक अत्याधुनिक सुविधा है और यह हमारी अगली पीढ़ी की प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का आदर्श स्थल होगा।''

हालांकि 2025 में होने वाले इस टूर्नामेंट की तारीखों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बीडब्ल्यूएफ के थॉमस और उबेर कप फाइनल्स का अगला सत्र डेनमार्क के होर्सेन्स में होगा। यह दूसरी बार है जब डेनमार्क बीडब्ल्यूएफ विश्व पुरुष और महिला टीम चैंपियनशिप का आयोजन करेगा। वह इससे पहले 2021 में आरहस में इस प्रतियोगिता की मेजबानी कर चुका है। बीडब्ल्यूएफ परिषद की 28 अप्रैल को हुई बैठक में मेजबानी के अधिकार की पुष्टि की गई।

बीडब्ल्यूएफ ने जानकारी दी कि विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप की मेजबानी अगले साल गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र करेगा। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन भारत में वर्ष 2008 के बाद यह पहली बार होगा। भारत ने पिछली बार पुणे में इस प्रतियोगिता की मेजबानी की थी।

बालाजी कन्सट्रक्शन कम्पनी

शॉप नं0 14, ओम कॉम्प्लेक्स, नया बॉस, सेक्टर-15, नोएडा (गौतमबुद्धनगर)

फोन- 0120- 2321857
मो0- 9811082962

मरुस्थलीकरण (रेगिस्तान का फैलना) आज विश्व भर में एक विकट समस्या बन गया है। उससे बड़ी संख्या में मनुष्य प्रभावित हो रहे हैं क्योंकि रेत का साम्राज्य बढ़ने से अन्न का उत्पादन घटता है और अनेक प्राकृतिक तंत्रों की धारण क्षमता कम होती है। पर्यावरण भी उसके कुप्रभावों से अछूता नहीं रह पाता। मरुस्थलीकरण से तात्पर्य उस प्रक्रिया से है, जिससे विश्व भर के शुष्क क्षेत्रों में उपजाऊ जमीन अनुपजाऊ जमीन में बदल रही है। मानव गतिविधियां और भौगोलिक परिवर्तन, दोनों इसके लिए जिम्मेदार हैं। शुष्क क्षेत्र उन इलाकों को कहते हैं, जहां उतनी बारिश नहीं होती कि घनी हरियाली पनप सके। विश्व के कुल स्थल भाग का लगभग 40 प्रतिशत, अथवा 5.4 करोड़ वर्ग किलोमीटर शुष्क है। मरुस्थलीकरण इन्हीं शुष्क भागों में अधिक देखने में आता है।

मिट्टी हो रही रेत

भारत का 69.6 प्रतिशत भूभाग (22.83 करोड़ हेक्टेयर) शुष्क माना गया है। यद्यपि इन शुष्क इलाकों की उत्पादकता काफी कम है, फिर भी दूध, मांस, रेशे, चमड़ा आदि के उत्पादन में वे काफी योगदान देते हैं। देश की आबादी का एक बहुत बड़ा भाग शुष्क इलाकों में रहता है। भारत में 17.36 करोड़ हेक्टेयर, अथवा देश के कुल क्षेत्रफल का 53 प्रतिशत, मरुस्थलीकरण से प्रभावित है। ये इलाके अक्सर सूखे की चपेट में भी रहते हैं। सूखा मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को तेज कर देता है। राजस्थान का पश्चिमी भाग और गुजरात का कच्छ जिला लगभग सदा सूखे की गिरफ्त में रहते हैं।

मनुष्य तथा उसके पालतू पशु सदा से ही रेगिस्तानी इलाकों में रहते आ रहे हैं। विश्व के अन्य शुष्क इलाकों की तुलना में भारत के शुष्क इलाकों में मानव आबादी का दबाव कहीं ज्यादा है। भारत के पास विश्व के कुल स्थल भाग का मात्र 2.4 प्रतिशत है, लेकिन कुल मानव आबादी का 16.67 प्रतिशत भारत में रहता है। इतना ही नहीं, भारत में विश्व में मौजूद चरागाहों का मात्र 0.5 प्रतिशत ही है, पर यहां विश्व में मौजूद मवेशियों का 18 प्रतिशत पलता है। मनुष्य और मवेशियों का यह असहनीय दबाव मरुस्थलीकरण को बढ़ावा दे रहा है। थार रेगिस्तान के भीतरी भागों तक में खेती और पशुपालन का प्रसार हो रहा है। रेगिस्तानी इलाकों में पानी की सीमित उपलब्धि वानस्पतिक उत्पादकता की सीमा बांध देती है। वहां वर्षा भी बड़े ही अनियमित ढंग से होती है, जिससे अन्न के उत्पादन में बड़ी-बड़ी अनियमितताएं देखी जाती हैं। इससे पैदा हुई अन्न की किल्लत से गरीब तबके के लोग सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। जीवित रहने के लिए उन्हें रेगिस्तान की वनस्पति पर अत्यधिक निर्भर होना पड़ता है। जैसे-जैसे मनुष्यों और मवेशियों की संख्या बढ़ती जाती है, यह निर्भरता भी बढ़ती है। किसी भी प्राकृतिक-तंत्र की धारण क्षमता सीमित होती है। इस सीमा का उल्लंघन होने पर वह तंत्र बिखरने लगता है। शुष्क इलाकों का प्राकृतिक तंत्र भी मनुष्य द्वारा डाले गए दबाव से आखिरकार चरमरा जाता है। यदि समय रहते इस विघटनकारी प्रक्रिया को रोका नहीं गया, तो सारा तंत्र रेगिस्तान की भेंट चढ़ जाता है, अथवा अत्यधिक चराई और लकड़ी के लिए पेड़ों की छंटाई के कारण उस तंत्र में उपयोगी पौधों की तादाद घट जाती है। उनका स्थान अनुपयोगी और अखाद्य पौधे ले लेते हैं। नतीजा यह होता है कि वह तंत्र अब पहले से भी कम संख्या में मनुष्यों और मवेशियों को पोषित कर पाता है। यही दुश्चक्र मरुस्थलीकरण को गति देता है।

यद्यपि शुष्क इलाकों में बारिश कम होती है, पर जो बारिश होती है, वह काफी तेज और तूफानी ढंग की होती है। इससे इन इलाकों में बारिश अक्सर बाढ़ का रूप धारण करके उपजाऊ मिट्टी को बहा ले जाती है। एक अनुमान के अनुसार बंजर इलाकों में हर हेक्टेयर क्षेत्र से हर साल पानी के कटाव से 16.35 टन मिट्टी बह जाती है। इससे देश के बहुत बड़े-बड़े इलाकों में खड्ड और नाले बन गए हैं और वे खेती के लिए निकम्मे हो गए हैं। काफी इलाकों में रेत के टीलों ने अधिकार जमा लिया है। इस प्रकार अनुपयोगी बनी जमीन को पुन: उपजाऊ बनाने का काम वहां की मिट्टी की जिजीविषा शक्ति पर निर्भर करता है, पर यदि समय रहते कदम न उठाए गए, तो यह मिट्टी ही लुप्त हो जाती है। बार-बार आने वाला सूखा मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को त्वरित कर देता है, यद्यपि सूखे का प्रभाव क्षणभंगुर ही होता है।

अभी हाल तक हर गांव में नदी-तालाब होते थे, जिनका पानी फसल उगाने के लिए पर्याप्त था। गांव के गोचरों में मवेशियों के लिए चारा पैदा होता था। आसपास के जंगलों से चूल्हे के लिए लकड़ी मिल जाती थी। आज इन्हीं गांवों का हाल बिलकुल बदल गया है। नदी-तालाब सूख गए हैं, अथवा उनमें पानी बहुत कम रह गया है। जो जलाशय बचे हैं, उनमें से कई तो इतने प्रदूषित हो गए हैं कि उनका पानी पीने लायक नहीं रह गया है। गांव की स्त्रियों को पानी, चारा और ईंधन लाने के लिए मजबूरन कोसों चलना पड़ रहा है। यह दुखद स्थिति गांवों तक सीमित नहीं है, अनेक शहरों की भी यही दशा है। मिट्टी के कटाव का एक अन्य दुष्परिणाम यह है कि पानी के साथ बह आई मिट्टी जलाशयों में जमा होकर उनके जलधारण क्षमता को घटा रही है। इससे बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो जाती है और लाखों लोगों को हर साल बारिश के मौसम में बेघर होना पड़ता है। हमारे देश में ऐसे व्यक्तियों की तादाद बहुत ज्यादा है जिनके लिए बारिश का मौसम अभिशाप बनकर आता है, क्योंकि वह मौत, बीमारी और तबाही का पैगाम भी साथ लाता है। बड़ी-बड़ी पनबिजली योजनाओं के सरोवरों में मिट्टी भर जाने से उनसे निर्मित बिजली की मात्रा घटी है और इन योजनाओं की आयु कम हो गई है।

मिट्टी को पहुंचे नुकसान से कृषि की उत्पादनशीलता में जो कमी आई है, उसे लगभग 23,200 करोड़ रुपए आंका गया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि हमारे जैसे निर्धन देश में बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कृषि की उत्पादकता को बढ़ाने की जरूरत है, न कि घटाने की।

मरुस्थलीकरण एक बहुआयामी समस्या है जिसके जैविक, भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक आदि अनेक पक्ष हैं। इसलिए उससे निपटने में केंद्र और राज्य सरकारों की अनेक संस्थाएं योगदान दे रही हैं। मरुस्थलीकरण से लड़ रहे मुख्य मंत्रालयों में शामिल हैं पर्यावरण और वन मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और जल संसाधन मंत्रालय।

सन 1985 में राष्ट्रीय भूमि-उपयोग एवं परती विकास परिषद को उच्चतम नीति-निर्धारक एवं समायोजक एजेंसी के रूप में गठित किया गया। यह परिषद देश भर की जमीनों के प्रबंध से जुड़ी समस्याओं पर विचार करती है तथा नीतियां बनाती है। इस परिषद के अध्यक्ष स्वयं प्रधान मंत्री हैं। यह परिषद राष्ट्रीय भूमि-उपयोग एवं संरक्षण बोर्ड, राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड और राष्ट्रीय वनीकरण एवं पारिस्थितिकी-विकास बोर्ड के कामों की देखरेख करती है। राज्य स्तर पर राज्य-स्तरीय भूमि-उपयोग बोर्ड गठित किए गए हैं। इनके अध्यक्ष संबंधित राज्य के मुख्य मंत्री होते हैं। ये बोर्ड भूमि विकास संबंधी कार्यक्रम चलाते हैं।

पिछले कई सालों से शोध संस्थाएं कृषि विश्वविद्यालयों के सहयोग से मरुस्थलीकरण और सूखे के प्रभावों पर गहन अनुसंधन कार्यों में लगी हुई हैं। इन अनुसंधानों की प्राथमिकता रही है मरुस्थलीकरण रोकना और सूखा-पीड़ित इलाकों की उत्पादकता बढ़ाने की कार्यक्षम विधियां विकसित करना। इन अनुसंधान कार्यों को आर्थिक मदद देने के लिए केंद्रीय और राज्य स्तर की अनेक अनुसंधान संस्थान गठित किए गए हैं। इनमें शामिल हैं, हैदराबाद का केंद्रीय शुष्क खेती अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, करनाल का केंद्रीय क्षारीय जमीन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का केंद्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान संस्थान, झांसी का भारतीय वन एवं चरागाह अनुसंधान संस्थान और नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के परिसर में स्थित जल प्रौद्योगिकी केंद्र। देहरादून के भारतीय वन अनुसंधान एवं शिक्षण परिषद के मार्गदर्शन में अनेक शोध संस्थाएं शुष्क प्रदेशों के वनों के पुनरुद्धार के कार्य में लगी हैं तथा इन वनों की उत्पादकता में वृद्धि लाने के तरीके खोज रही हैं। ये सब संस्थाएं शुष्क क्षेत्रों के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियां विकसित करने के साथ-साथ कर्मचारियों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण भी देती हैं। इन संस्थाओं के कार्यों को समर्थन देने के लिए काफी धनराशि उपलब्ध कराई गई है और नीतिमूलक संरचनाएं एवं विधि-कानून बनाए गए हैं।

सन 1992 में ब्राजील के रियो द जनेरियो में हुए पृथ्वी सम्मेलन में विश्व समुदाय ने मरुस्थलीकरण रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संधि पर हस्ताक्षर किए। 15 जून 1994 को इस संधि को कानूनी स्वरूप दिया गया। भारत ने उसे 17 दिसंबर 1996 को अनुमोदित किया। इस संधि का उद्देश्य है मरुस्थलीकरण रोकना तथा मरुस्थलीकरण और सूखे के कारण मानव समुदायों पर पड़ रहे विपरीत प्रभावों को कम करने के लिए सभी देशों के बीच सभी स्तरों पर सहयोग बढ़ाना। मरुस्थलीकरण रोकने के भगीरथ कार्य में पारंपरिक ज्ञान की अहम भूमिका है क्योंकि वह समयसिद्ध ही नहीं है, बल्कि साधारण जनता की दैनंदिन की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब भी रहा है। इनमें से कुछ पारंपरिक विधियों का संक्षिप्त विवरण आगे दिया जा रहा है।

थार रेगिस्तान में वर्ष के कुछ ही महीने फसल उगाने के लिए उपयुक्त होते हैं। अत: वहां के लोगों ने अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए खेती के साथ पशुपालन भी करना सीख लिया है। गर्मियों में वे बाजरा आदि खुरदुरे अनाजों की खेती करते हैं, जिन्हें बहुत कम पानी चाहिए होता है। लेकिन पालीवाल नामक एक काश्तकार समुदाय वर्षाजल संचित करके सर्दियों की फसल भी उगाने में सफल हुआ है। इस विधि को खदीन प्रणाली कहते हैं। आज 500 से भी ज्यादा छोटे-बड़े खदीन हैं जो 12,140 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचित कर रहे हैं। बिहार में इससे मिलता-जुलता एक दूसरा तरीका है जिसे अहर कहा जाता है।

ये हैं दुनिया के रहस्यमयी प्राणी

जर्सी डेविल

जर्सी डेविल के बारे में 1800 से लेकर 20वीं सदी तक कई तरह की बातें की जाती रही। इसे न्यू जर्सी के दक्षिणी क्षेत्र में देवदार वृक्ष के जंगल में देखे जाने की बात सामने आई थी। जर्सी डेविल के बारे में कहा जाता था कि उसके दो पैर, चमगादड़ की तरह पंख और घोड़े की तरह मुंह था। इस विचित्र प्राणी को लेकर यह प्रचलित था कि एक चुड़ैल जब अपने 13वें बच्चे को जन्म दे रही थी उस समय उसने शैतान को जगा दिया था। इस कारण जन्म लेते ही इस बच्चे का विचित्र ढंग से रूप बदल गया।

फ्लैटवुड मॉन्स्टर

फ्लैटवुड मॉन्स्टर भी किसी परलौकिक प्राणी की तरह दिखाई देता था। वेस्ट वर्जीनिया में ब्रेक्सटन काउंटी के फ्लैटवुड कस्बे में 12 सितंबर, 1952 को इसे देखा गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार वह 10 फीट लंबा था और उसका चेहरा लाल रंग का था। उसका विचित्र चेहरा और आंखें इंसानों जैसी नहीं थीं। ऐसा लगता था कि वह गहरे रंग की स्कर्ट पहने हुए है।

लिजर्डमैन

दुनिया के सबसे डरावने विचित्र प्राणियों में अमेरिका का लिजर्डमैन भी है। साउथ कैरोलिना की ली काउंटी के स्वाम्पलैंड क्षेत्र में इसे 29 जून, 1988 को देखा गया था। हरी त्वचा वाले इस विचित्र प्राणी की लंबाई 7 फीट 2 इंच लंबी थी। रिपोर्ट्स के अनुसार लिजर्डमैन के हर पैर में तीन अंगूठे और हर हाथ में तीन अंगुलियां थीं। वह दीवारों और सीलिंग पर चढ़ जाता था। एक प्रमाण यह भी है कि उसने एक कार को भी नुकसान पहुंचाया था। वह इतना ताकतवर था कि उसने कार तक को तोड़ दिया था।

डोवर डीमन

इस विचित्र और डरावने प्राणी को अमेरिका में देखा गया था। मैसाचुसेट्स के डोवर टाउन में सन 1977 में 21 और 22 अप्रैल को दिखाई दिया था। इसके विचित्र रूप के कारण इसके एलियन या किसी प्रयोग का कोई हिस्सा होने के अनुमान लगाए जाते रहे। वह हाइब्रिड एलियन भी हो सकता था। कुछ लोगों का कहना है यह किसी दूसरे लोक से आया था। डोवर डीमन का सिर बड़ा था, आंखें ऑरेंज कलर की और हाथ-पैर पतले दिखाई देते थे। बताया जाता है कि यह बिना बालों का था। इसमें फेशियल फीचर्स बहुत कम थे। यह विचित्र प्राणी लगभग तीन फीट लंबा था। डोवर डीमन सांप की तरह फुफकारता और बाज की तरह चीखता था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह किसी दूसरे ग्रह से आया होगा या जैविक कारणों से धरती के ही किसी जीव का आकार बदल गया होगा।

गोटमैन

बकरी और इंसान के फीचर्स लिए यह विचित्र जीव पहली बार अमेरिका में देखा गया था। इसके बारे में पहली रिपोर्ट 1957 में आई थी। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार उसने बालों और सींग वाला एक दैत्य जैसा दिखने वाला प्राणी देखा था। इसे फॉरेस्टविले और अपर मार्लबोरो के प्रिंस जॉर्ज काउंटी में देखा गया था। यह 1962 तक छिपा रहा लेकिन एक दर्जन बच्चों और दो वयस्क लोगों की हत्या कर दी। यह लोगों पर कुल्हाड़ी से हमला करता था और शवों को कई टुकड़ों में काट डालता था।

इलियाना डिक्रूज को 'बर्फी' में काम करना पड़ा महंगा

हाल ही 'दो और दो प्यार' में नजर आईं इलियाना डिक्रूज ने अपने करियर में कई यादगार फिल्में कीं, जिनमें अक्षय कुमार की 'रुस्तम' और रणबीर कपूर की 'बर्फी' शामिल हैं। इन दोनों फिल्मों में इलियाना की परफॉर्मेंस पसंद की गई थी, पर बॉलीवुड में काम करने के चक्कर में इलियाना डिक्रूज को साउथ की फिल्मों में काम मिलना मुश्किल हो गया। इलियाना ने हाल ही एक इंटरव्यू में इस बारे में बात की। इलियाना का इस बात को लेकर दर्द छलका कि न तो बॉलीवुड में उनका काम नोटिस किया गया और ना ही साउथ में खास मौके ही मिले। इलियाना ने बातचीत में बताया कि जब उन्होंने 'बर्फी' में काम किया, तो लोगों ने मान लिया कि अब वह साउथ की फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं। इस धारणा की वजह से उन्हें साउथ सिनेमा से फिल्मों के ऑफर मिलना बंद हो गए।

कपिल 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' को ले रहे करोड़ों

कॉमेडियन कपिल शर्मा को ऑडियंस द्वारा बेहद पसंद किया जाता है। उनकी कॉमेडी का हर कोई फैन है। हाल ही में कपिल शर्मा का 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होना शुरू हुआ था। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का पहला एपिसोड 30 मार्च को प्रसारित हुआ था। अब तक इस शो के पांच एपिसोड रिलीज हो चुके हैं। कपिल नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहे अपने शो के लिए मोटी सैलरी ले रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक कपिल शर्मा को 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के लिए लगभग 26 करोड़ रुपए की भारी रकम मिल रही है। वहीं, एक एपिसोड के लिए कपिल शर्मा करीब 5 करोड़ रुपए चार्ज कर रहे हैं। कपिल शर्मा इस वक्त टीवी में हाईएस्ट पेड कॉमेडियन में से एक हैं। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में कपिल शर्मा और सुनील ग्रोवर लगभग 6 साल बाद साथ नजर आए हैं। कपिल शर्मा, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह समेत कई कलाकार इस शो का हिस्सा हैं। कपिल शर्मा का यह शो भारत के अलावा 190 देशों में देखा जा रहा है। कपिल शर्मा के इस शो के पहले एपिसोड में बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर, उनकी मां नीतू कपूर और बहन रिद्धिमा कपूर आए थे। दूसरे एपिसोड में क्रिकेटर रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर आए थे। तीसरे एपिसोड में दिलजीत दोसांझ, डायरेक्टर इम्तियाज अली और परिणीति चोपड़ा आए थे। चौथे एपिसोड में विक्की कौशल और उनके भाई सनी कौशल नजर आए थे। पांचवे एपिसोड में आमिर खान कपिल के शो के मेहमान थे। कपिल शर्मा के शो का नया एपिसोड हर शनिवार रात 8 बजे प्रसारित होता है।

जिम्मी शेरगिल बोले

20 हजार रुपए मिली थी फीस

जिम्मी शेरगिल ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत 'माचिस' फिल्म से की थी। हालांकि उन्होंने फिल्म में छोटा सा किरदार निभाया था, बावजूद इसके उन्हें पहचान मिली थी। लेकिन उतना पैसा नहीं मिला था, जिससे वो मुंबई में आसानी से सरवाइव कर पाते। जिम्मी ने बताया कि उनकी स्थिति कब और कैसे सुधरी थी। जिम्मी ने बताया कि बॉलीवुड में पहचान बनाने की उनकी राह आसान नहीं थी। उन्हें कई साल लग गए थे। इस बीच गुजारा करने के लिए उन्हें अपने घर से पैसे मंगवाने पड़ते थे। इसके लिए वो बेहद शुक्रगुजार भी हैं। जिम्मी ने बताया कि बावजूद इसके उन्होंने कभी घर वापस जाने की नहीं सोची। मोहब्बतें फिल्म करने के बाद उनकी हालत में सुधार आया। वो गुलजार की माचिस फिल्म में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम करने गए थे। लेकिन किस्मत से उन्हें उस फिल्म में जिम्मी कैरेक्टर का एक रोल करने को मिला। हालांकि इसके लिए बहुत कम मेहनताना मिला था। वहीं जानने वालों ने काफी ताने दिए थे। सुशांत सिन्हा को दिए इंटरव्यू में जिम्मी ने कहा-गुलजार साहब ने मुझसे पूछा था कि अगर तुम एक्टिंग करना चाहते हो तो डायरेक्शन में क्यों आ रहे हो? मैंने उनसे कहा कि मैंने सुना है कि यहां 5-6 साल से पहले किसी को ब्रेक नहीं मिलता है और मैं घर नहीं जाना चाहता हूं। उन्होंने मुझे फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ने को दी और पूछा कि तुम कौन सा रोल निभाना चाहोगे? तो मैंने कहा-मुझे लगता है मैं जिम्मी का रोल करुंगा। मेरा घर का नाम जिम्मी है। मैं उनसे जसजीत शेरगिल के नाम से मिला था। जिम्मी ने आगे कहा-मुझे वो रोल मिला। उसे करने के बाद मुझे काफी ताने सुनने पड़े थे। बहुत लोगों ने मुझसे कहा था तुम पागल हो। ये तो बहुत छोटा सा रोल है। अपने वक्त का इंतजार करो। मुझे उस रोल के लिए तकरीबन 20 हजार रुपए मिले थे। मैं बहुत लकी हूं कि मेरी फैमिली मुझे पूरा सपोर्ट करती थी। ये तब तक चलता रहा, जब तक मुझे मोहब्बतें नहीं मिली। इसके बाद जाकर मैंने घर से पैसे लेने कम किए। जिम्मी शेरगिल ने माचिस से साल 1996 में अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने मोहब्बतें, दिल है तुम्हारा, मुन्ना भाई एमबीबीएस, दस कहानियां, हैप्पी भाग जाएगी, तनु वेड्स मनु, साहब बिवी और गैंगस्टर जैसी कई हिट फिल्में कीं।

सैफ के बेटे इंब्राहिम का इंस्टाग्राम डेब्यू

एक्ट्रेस सारा अली खान अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फैमिली के साथ तस्वीरें अपलोड करती रहतीं हैं। कभी उनकी साथ मां अमृता और भाई इब्राहिम अली खान तस्वीरों में नजर आते हैं, तो कभी अपने पापा सैफ अली खान और उनकी फैमिली के साथ टाइम स्पेंड करती दिखती हैं। वैसे तो इब्राहिम की झलक अक्सर पैपराजी द्वारा पार्टीज या इवेंट में देखी जाती है लेकिन अब उन्होंने भी सोशल मीडिया पर कदम रख लिया है। अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम ने मंगलवार को फैंस को एक सरप्राइज दिया। उन्होंने 30 अप्रेल को इंस्टाग्राम पर अपना डेब्यू किया है। इब्राहिम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 11 बजे पहला पोस्ट डाला, जिसके बाद देखते ही देखते उनके हैंडल पर फॉलोअर्स की रफ्तार बढ़ गई। दो घंटे के अंदर उनके अकाउंट को 5 लाख से भी अधिक लोगों ने फॉलो किया है। इब्राहिम ने 41 लोगों को फॉलो किया है। जिसमें उनकी मां अमृता सिंह, बहन सारा अली खान, करीना कपूर, आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा, सोहा अली खान, पलक तिवारी, रणवीर सिंह से लेकर तमाम सेलेब्स के नाम शामिल हैं। अपने पहले पोस्ट में इब्राहिम ने 4 तस्वीरें पोस्ट की हैं। उन्होंने Puma India ब्रैंड के साथ हाल ही में फोटो शूट करवाया है। जिसकी तस्वीरें उन्होंने डेब्यू पोस्ट में शेयर की हैं। पहली दो तस्वीरों में वह ग्रीन शर्ट और बेज रंग का पैंट और ग्रीन शूज पहने दिख रहे हैं। बाकी की फोटोज में उनका स्पोर्ट्स लुक नजर आ रहा है। फोटोज में वह स्टाइलिश लुक में नजर आ रहे हैं। इंस्टाग्राम पर अपनी पहली तस्वीर पोस्ट करते ही सेलेब्स से लेकर फैंस तक सभी इब्राहिम का वेलकम कर रहे हैं। करीना कपूर और बुआ साबा पटौदी ने कमेंट कर उनपर प्यार लुटाया है। आपको बता दें, इब्राहिम का ये अकाउंट पब्लिक है लेकिन उनका एक प्राइवेट अकाउंट भी है, जिसे वह खुद फॉलो करते हैं। उनके प्राइवेट अकाउंट का यूजर नेम- ______iak______ है, जिसमें उनका पूरा नाम इब्राहिम अली खान लिखा हुआ है।

सनी की बात सुन बॉबी इमोशनल

साल 2023 देओल परिवार के लिए बहुत ही यादगार साल रहा। बीते साल सनी देओल ने जहां 'गदर 2' जैसी ब्लॉक बस्टर फिल्म दी। वहीं, बॉबी देओल ने 'एनिमल' जैसी फिल्म से जबरदस्त वापसी की। द ग्रेट इंडियन कपिल शो में मेहमानों के रूप में सनी देओल और बॉबी देओल नजर आएंगे। मेकर्स ने आज आगामी एपिसोड का ट्रेलर जारी किया, जिसमें सनी देओल अपने परिवार के बारे में बात करते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में बॉबी देओल इमोशनल नजर आ रहे हैं। सनी देओल ने कहा-हम 1960 से लाइम लाइट में हैं। कई सालों से हम लगातार कोशिश कर रहे हैं, समझ में नहीं आ रहा था कुछ चीजें नहीं हो रहीं थीं। मेरे बेटे की शादी हुई। 'गदर 2' आई इसके पहले पापा की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' आई। यकीन नहीं हो रहा था, हमें इतना सौभाग्य कैसे मिला? सनी देओल ने जब बॉबी देओल की फिल्म 'एनिमल' का जिक्र करते हुए फट्टे हे चकदे कहा तो बॉबी देओल इमोशनल हो गए। बॉबी देओल ने कहा-मेरी लाइफ में अगर कोई स्ट्रॉन्ग और सुपरमैन है तो भईया हैं।' बॉबी की बात सुनकर सनी देओल ने खुद को बाहुबली बताया। पिता धर्मेन्द्र के बारे में बात करते हुए सनी देओल ने कहा-मेरे पिता बैठकर दोस्त की तरह बात करते हैं, लेकिन जब बात करते हैं तो पिता की तरह व्यवहार करने लगते हैं।

शबाना आजमी के सिनेमा में 50 वर्ष पूरे होने पर समारोह का आयोजन

मशहूर भारतीय अभिनेत्री शबाना आजमी के सिनेमा जगत में 50 वर्ष पूरे होने पर अगले माह आयोजित होने वाले न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एनवाईआईएफएफ) में एक विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस फिल्म महोत्सव में भारतीय उपमहाद्वीप की कुछ प्रसिद्ध फिल्में और वृत्तचित्र दिखाये जाते हैं। न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल का 24वां संस्करण 31 मई से दो जून तक आयोजित किया जाएगा, जिसे उत्तर अमेरिका का सबसे लंबा चलने वाला और सबसे प्रतिष्ठित भारतीय फिल्म महोत्सव माना जाता है। फिल्म महोत्सव में अमिताभ बच्चन और नसीरुद्दीन शाह सहित कई बड़ी फिल्मी हस्तियों की कुल 49 कहानियां, वृतचित्र और लघु फिल्में दिखाई जाएंगी। शबाना आजमी के 2024 में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में पांच दशक पूरे हो रहे हैं और इस अवसर पर उन्हें सम्मान देने के लिए फिल्म महोत्सव में एक विशेष समारोह आयोजित किया जाएगा और इसमें 1996 में आई दीपा मेहता द्वारा निर्देशित फिल्म फायर को प्रदर्शित किया जाएगा। एनवाईआईएफएफ ने शबाना आजमी के हवाले से कहा, मैं शुरुआत से ही न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल से जुड़ी रही हूं और पिछले कुछ वर्षों में इसने जो प्रगति की है, उससे मैं बेहद खुश हूं।

मुझे खुशी है कि एनवाईआईएफएफ में मेरे 50 वर्षों का जश्न मनाया जा रहा है और मैं बेसब्री से इसका इंतजार कर रही हूं। बयान के मुताबिक, 73 वर्षीय आजमी इस वर्ष फिल्म महोत्सव में हिस्सा लेंगी और श्याम बेनेगल की फिल्म अंकुर से अपने अभिनय कॅरियर की शुरुआत करने से लेकर कई किरदारों के बारे में बताएंगी। आजमी पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और कई फिल्मों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशस्ति हासिल कर चुकी हैं। पद्मश्री और पद्मभूषण सम्मान प्राप्त आजमी 140 से अधिक हिंदी और 12 अंतरराष्ट्रीय फिल्मों में अपने दमदार अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं।

फिल्म महोत्सव में अमिताभ बच्चन और नसीरुद्दीन शाह सहित कई बड़ी फिल्मी हस्तियों की कुल 49 कहानियां, वृतचित्र और लघु फिल्में दिखाई जाएंगी। शबाना आजमी के 2024 में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में पांच दशक पूरे हो रहे हैं और इस अवसर पर उन्हें सम्मान देने के लिए फिल्म महोत्सव में एक विशेष समारोह आयोजित किया जाएगा।

डॉ. महेश शर्मा ने हिमाचल प्रदेश में किया प्रचार

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा ने लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत हिमाचल प्रदेश प्रवास के दौरान धर्मशाला एयरपोर्ट पहुंचने पर काँगडा विधायक पवन काजल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष सचिन शर्मा द्वारा डा. महेश शर्मा को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। डा. महेश शर्मा ने हिमाचल प्रदेश के नूरपुर जिले के भाजपा कार्यालय आगमन पर जिलाध्यक्ष रमेश राणा एवं कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। नूरपुर जिला कार्यालय में आयोजित बैठक को प्रदेश महामंत्री संगठन सिद्धार्थन के साथ सांसद डा. महेश शर्मा ने आगामी चुनाव संबंधित विषयों पर चर्चा कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन 400 पार की दिशा में अग्रसर होकर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढाया। उन्होंने कहा कि सभी एक साथ मिलकर कार्य करें और कांगड़ा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी डा. राजीव भारद्वाज को भारी मतों से विजयी बनाये। इसके लिए मैं भी आप सभी के साथ रहकर कार्य करूंगा।

रिश्वत लेते विद्युत विभाग के दो कर्मचारी गिरफ्तार

बिजली का बिल ठीक करने के नाम पर मांगी थी रिश्वत

नोएडा (चेतना मंच)। बिजली का बिल ठीक करने के नाम पर पांच हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए कार्यालय सहायक और संविदा कर्मी को एंटी करप्शन की टीम ने गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ कोतवाली सेक्टर-24 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सोरखा गांव निवासी हरेंद्र के नाम से 13 किलोवाट का घरेलू श्रेणी में बिजली कनेक्शन है। अप्रैल महीने में बिजली का बिल करीब तीन लाख रुपये आया। इस बिल को सही कराने के लिए हरेंद्र के रिश्तेदार नीरज सेक्टर-52 बिजली दफ्तर के चक्कर लगा रहा था। परंतु बगैर रिश्वत के उनकी समस्या पर सुनवाई नहीं हो रही थी और गलत बिल राशि को ही जमा करने का दवाब बनाया जा रहा था। इसके साथ ही बिल को सही कराने के लिए रिश्वत की मांग की जा रही थी। काफी परेशान होने के बाद नीरज ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो को कर दी। फिर एंटी करप्शन ब्यूरो के टीम के साथ पीड़ित नीरज ने मंगलवार दोपहर को सेक्टर-52 बिजली दफ्तर पर तैनात संविदा कर्मी ऑपरेशन अविनाश और कार्यालय सहायक अभिषेक को रिश्वत के पांच हजार रुपये दे दिए। आरोप है कि गलत बिल को

सही कराने के लिए अभिषेक से पांच हजार रुपये में सौदा हुआ और अविनाश ने रिश्वत के पांच हजार रुपये लिए।

दोनों एक ही कमरे में एक साथ बैठते हैं। रिश्वत के रुपये लेने के तुरंत बाद ही एंटी करप्शन ब्यूरो के निरीक्षक दुर्गेश सिंह ने नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम ने आरोपियों से रिश्वत के पैसे बरामद कर लिये और कोतवाली सेक्टर-24 में रिपोर्ट दर्ज कराई है। अपर पुलिस उपायुक्त मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। दोनों को कल भ्रष्टाचार निवारण न्यायालय मेरठ में पेश किया जाएगा।

जीडीए का बड़ा एक्शन, अवैध निर्माण होने पर तीन पर्यवेक्षक निलंबित

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के तीन

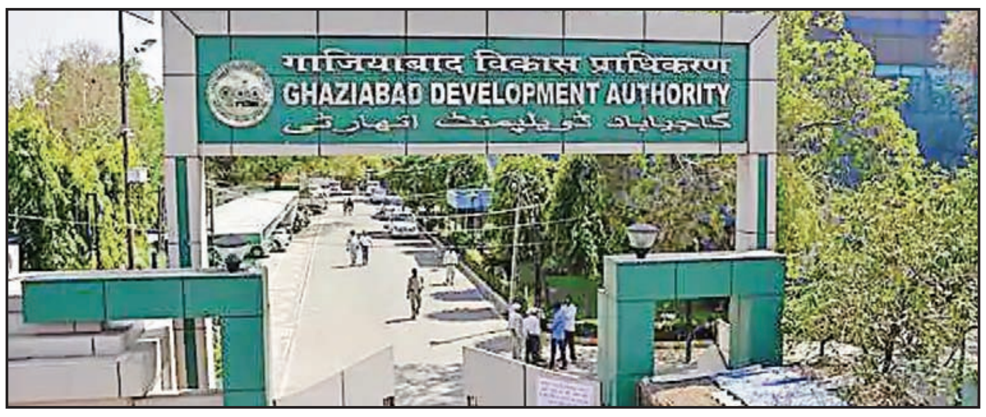

पर्यवेक्षकों को निलंबित कर दिया गया। ये कार्रवाई राजेंद्र नगर क्षेत्र में अवैध निर्माण को बढ़ावा देने वाले बिल्डरों के साथ कथित संलिप्तता के चलते हुई है। जिसके कारण सीवर बुनियादी ढांचा ध्वस्त हो गया था। मंगलवार को हुई इस कार्रवाई के बाद महकमे में हड़कंप मच गया।

दरअसल, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष अतुल वत्स को राजेंद्र नगर क्षेत्र के अचानक निरीक्षण में कई अवैध निर्माण मिले। जिस पर अतुल वत्स ने एक्शन लिया। उन्होंने बताया कि जीडीए सुपरवाइजर अनिल त्यागी, अरविंद चौहान और राजू दिवाकर के निलंबन के आदेश हैं। साथ ही राजेंद्रनगर क्षेत्र के संबंधित कनिष्ठ अभियंता एवं सहायक अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

जीडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि नक्शे आवास उद्देश्यों के लिए स्वीकृत किए जाते हैं, लेकिन बिल्डरों ने स्टिल्ट एरिया में दुकानें बना लीं, जो पार्किंग के लिए आरक्षित थीं। उन्होंने आगे कहा कि निरीक्षण के दौरान कोई तकनीकी व्यक्ति साइट पर मौजूद नहीं था और वे स्वीकृत मानचित्र भी प्रस्तुत नहीं कर सके।

अतुल वत्स ने खरीदारों से अवैध मकान और फ्लैट न खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने बिल्डरों को चेतावनी भी दी कि वे अवैध इमारतों का निर्माण न करें अन्यथा इमारतों को ध्वस्त कर दिया जाएगा। फिलहाल, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ये कार्रवाई चर्चा का विषय बनी हुई है।

नोएडा में पधारे हनुमानगढ़ी अयोध्या के छोटे महंत

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-79 स्थित गौर स्पोर्ट्सवुड

सोसाइटी में कमल कुमार के घर हनुमानगढ़ी अयोध्या के महंत सूरज दास महाराज पधारे और भक्तों को आशीर्वाद दिया।

महंत सूरज दास ने बताया कि अथर्ववेद के अनुसार भगवान राम ने हनुमान जी को कहा था कि जब भी कोई अयोध्या में मेरे दर्शन करने आएगा, उससे पहले उसे तुम्हारे यानी हनुमान जी के दर्शन करने होंगे। इसलिए आज भी लोग रामलला के दर्शन से पहले हनुमानगढ़ी जाते हैं।

महंत सूरज दास ने बताया कि जब वह स्कूल से आते थे तो उनके भाई अलग-अलग कामों में जुट जाते थे, कोई मोबाइल चलता तो कोई कुछ करता था लेकिन वो लवकुश देखते थे। उससे उन्हे प्ररणा मिली कि जब इतनी छोटी उम्र के बच्चे बड़े-बड़े काम कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं कर सकते हैं। इसलिए तब से हम घर से निकल पड़े और भगवान की शरण में आ गए। इस अवसर पर कमल कुमार, एनईए अध्यक्ष विपिन मल्हन, महासचिव वी.के. सेठ, उत्तर प्रदेश महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा विमला बाथम, भारत विकास परिषद के नवनियुक्त अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, राकेश गुप्ता आदि ने महंत सूरज दास का आशीर्वाद प्राप्त किया और धर्म चर्चा की।

प्राचीन बाराही मेला-2024

भगत सिंह ने हंस हंस फांसी खाई, कुर्बानी वीरों की रंग लाई!

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर में चल रहे प्राचीनकालीन ऐतिहासिक बाराही मेला-2024 के आठवें दिन सोमवार को रागनी सम्राट

स्व0 महाश्य सतपाल दौसा की शिष्य मंडली से केशव गुर्जर और राहुल बलियान, पूजा शर्मा ने एक से बढ कर एक रागनी प्रस्तुत करते हुए खूब वाहवाही लूटी। जब कि शिवानी सिकंद्राबादी, कविता चौधरी और डिंपल चौधरी ने गजब का नृत्य प्रस्तुत करते हुए खूब धमाल मचाया। रागनी सम्राट स्व0 महाश्य सतपाल दौसा के पोते युवराज और शुभम दौसा ने रूप बंसत के किस्से से--- **छोड के हम थारी नगरी को, चल दिए दोनो भईया, के वापस आवंगें, शक्ल दिखावेंगे, सारी उमरिया........** रागनी प्रस्तुत करते हुए खूब तालियां बटोरीं। केशव गुर्जर ने-- **सूरजगढ का बना सूरजपुर मिल सारा आधार गया.......** शिव मंदिर सेवा के महासचिव ओमवीर बैंसला द्वारा बाराही मैया और सूरजपुर के इतिहास पर आधारित भजन की प्रस्तुत किया तो श्रोतागण मंत्रमग्ध हो गए। राहुल बालियान और पूजा शर्मा ने अलबेले रिक्शे वाले समेत कई तीखी नोंक झोंक की रागनी प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं का दिल जीत लिया।

पूजा शर्मा ने देशभक्ति रागनी--- **चंद्रशेखर का हंस के गोली खा जाना, लंदन में पहुंच गया मर्दाना, अर भगत सिंह ने हंस हंस कर फांसी खाई, कुर्बानी वीरों की रंग लाई......** प्रस्तुत की तो माहौल वीर रस का हो गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रंखला में जेआरएस पब्लिक स्कूल सुत्याना के बच्चों ने गीत संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए देश भक्ति की संदेश दिया। जब कि जेएस कॉन्वेंट स्कूल सूरजपुर के बच्चों ने झांसी की रानी और छत्रपति शिवाजी की वीरता पर आधारित नाटिका के माध्यम से लोगों का दिल जीत लिया। शिव मंदिर सेवा समिति की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले इन स्कूली बच्चों को पानी की बोतल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। रात्रिकालीन रंगारंग कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हाथरस लोकसभा क्षेत्र के भाजपा के प्रमुख दावेदार रहे राजवीर पटवारी प्राचीनकालीन बाराही मेला-2024 के भव्य आयोजन के लिए शिव मंदिर सेवा समिति की भूरी भूरी प्रंशसा की और ऐतिहासिक महत्ता पर प्रकाश डाला। शिव मंदिर सेवा समिति ने मुख्य अतिथि राजवीर पटवारी का माल्यापर्ण और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। शिव मंदिर सेवा समिति के महासचिव ओमवीर बैसला ने बताया कि आगामी 04 मई-2024 को स्व0 जयपाल भगती जी स्मृति में उनके पुत्रों के द्वारा हर बार की तरह इस बार भी 101 रूपये लेकर 31000 रूपये तक की कई इनामी कुश्तियां कराई जाएंगी।

मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि कल दिनांक 01 मई-2024, बुद्धवार की सांय हरियाणा और राजस्थान के कलाकारों तथा ज्ञान इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल सूरजपुर के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। जब कि रात्रिकालीन रागनियों के रंगारंग कार्यक्रमों में पवन फौजी, नीतू भाटी एंड पार्टी और सुनील चौहान, सुषमा ठाकुर, राहुल राघव, प्रमोद मीणा, रूबी पवार, संजय बैना आदि कलाकार खास प्रस्तुतियां देंगे।

इस मौके पर शिव मंदिर मेला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महासचिव ओमवीर बैंसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल, मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा और ब्रहम सिंह नागर, राजवीर शर्मा, भीम खारी, तोलाराम, राकेश बैंसला, अज्जू भाटी, अनिल कपासिया, विनोद पंडित तेल वाले आदि मेला समिति के पदाधिकारी और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बाराही मेले का 8वां दिन